www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 37 I अंक – 96 I भोपाल, गुरुवार, 9 अप्रैल 2026 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें — पृष्ठ 3

- ईरान का अद्भुत जज्बा दुनिया के लिए मिसाल
- न्यायपालिका में ए. आई. के उपयोग की संभावनाएं — पृष्ठ 4

- शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में आंदोलन तेज — पृष्ठ 6

मुख्यमंत्री कार्यालय से रखी जाएगी गेहूं खरीदी पर नजर — पृष्ठ 8

सार-समाचार

बड़वानी में भूकंप के हल्के झटके, किसी प्रकार का नुकसान नहीं

बड़वानी/भोपाल देशबन्धु। बड़वानी में बुधवार दोपहर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। दोपहर 12:48 बजे आए इस झटके की तीव्रता 3.8 दर्ज की गई। झटके हल्के होने के कारण कहीं से भी किसी प्रकार के जन-धन हानि की सूचना नहीं मिली है। झटकों के दौरान कुछ देर के लिए लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए, हालांकि स्थिति सामान्य बनी रही और किसी तरह की दहशत नहीं फैली। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि बदलते जलवायु और पर्यावरणीय असंतुलन के प्रभाव अब विभिन्न रूपों में देखने को मिल रहे हैं। उनका मानना है कि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रयास करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसे प्राकृतिक घटनाओं के दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।

हिमंता के खिलाफ युवा कांग्रेस का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय युवा कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ बुधवार को यहां जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में यह प्रदर्शन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर पर असम पुलिस की कार्रवाई के विरोध में आयोजित किया गया। इस मौके पर श्री चिब ने श्री सरमा की भाषा को 'अस्वीकार्य और शर्मनाक' बताते हुए कहा कि यह न केवल कांग्रेस अध्यक्ष का, बल्कि दलित समाज का भी अपमान है।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मोहसिना किदवई का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मेरठ से तीन बार सांसद रहीं मोहसिना किदवई का बुधवार को निधन हो गया। 93 साल की उम्र में किदवई ने बुधवार सुबह चार बजे अस्पताल में आखिरी सांस ली। नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी। मोहसिन किदवई के निधन पर कई राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक जताया है।

ममता बनर्जी ने भवानीपुर से नामांकन दाखिल किया

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को दक्षिण कोलकाता स्थित अपने गृह क्षेत्र भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन पत्र में प्रस्तावकों की सूची में सभी वर्गों के लोगों को शामिल किया गया है। ममता बनर्जी के नामांकन पत्र में प्रस्तावकों में कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम की पत्नी इस्मत हकीम , अभिनेत्री से राजनीतिज्ञ बनीं और तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य कोयल मल्लिक के पति निशपाल सिंह राणे, स्थानीय तृणमूल कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बबलू सिंह और भाबानीपुर शिक्षा समिति के प्रतिनिधि मिराज शाह शामिल हैं।

गगनयान से पहले होंगे तीन मानवरहित मिशन: इसरो प्रमुख

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बुधवार को कहा कि भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान से पहले तीन मानवरहित (अनक्रूड) मिशन भेजे जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय 'स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस' सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के बाद पत्रकारों से बातचीत में नारायणन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देशों और घोषणाओं के आधार पर गगनयान कार्यक्रम पर काम जारी है। उन्होंने कहा, 'क्रूड मिशन से पहले तीन अनक्रूड मिशन निर्धारित किए गए हैं।

एनसीआर में वर्षों बाद 'ग्रीन जोन' में पहुंचा एक्यूआई

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को वर्षों बाद साफ और ताजी हवा का अनुभव हो रहा है। लगातार हो रही बारिश, आंधी और तेज हवाओं के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। कई इलाकों में एक्यूआई 'ग्रीन जोन' और 'संतोषजनक' श्रेणी में पहुंच गया है, जिससे लोगों को पहाड़ों जैसी ताजगी का एहसास हो रहा है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में एक्यूआई काफी बेहतर स्थिति में दर्ज किया गया। अलीपुर में एक्यूआई 83, आनंद विहार में 112, अशोक विहार में 86, बवाना में 89, बुराड़ी क्रॉसिंग में 75, कैंटोनमेंट एरिया में 72 और चांदनी चौक में 104 दर्ज किया गया।

युद्धविराम के कुछ घंटे बाद ही ईरान ने किया बड़ा धमाका

यूएई-कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से जारी जंग के बाद बुधवार सुबह सीजफायर का ऐलान किया गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अपील के बाद दो हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी है. लेकिन लगता है कि यह सीजफायर एक दिन भी नहीं टिक पाया।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का कहना है कि ईरान की ओर से अभी भी मिसाइलें दागी जा रही हैं. यूएई ने कहा कि वह ईरान की ओर से आने वाली मिसाइलों की बौछार को रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई

कर रहा है. यूएई का कहना है कि उनका एयर डिफेंस ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को रोकने के लिए सक्षम हैं. यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब कुछ ही घंटों पहले ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम हुआ था. हालांकि, यूएई ने यह स्पष्ट नहीं किया कि हमला किस जगह पर हो रहा है।

कुवैत की सेना ने कहा कि सुबह आठ बजे से ईरानी ड्रोन हमलों से निपटा जा रहा है. सेना ने बताया कि उसने कई ड्रोन को मार गिराया, जिनमें से कुछ दक्षिणी क्षेत्र में महत्वपूर्ण तेल प्रतिष्ठानों और बिजली स्टेशनों को निशाना बना रहे थे, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है. वही, ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने लावन रिफाइनरी में विस्फोट की खबर दी. ईरान के लावन आईलैंड पर एक तेल रिफाइनरी में बड़ा धमाका हुआ है. सीजफायर के बाद ईरान में धमाके की ये पहली घटना है. अभी विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है।

ट्रंप ने 2 हफ्तों के युद्धविराम किया ऐलान, ईरान ने भी जताई सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे दो हफ्तों के लिए ईरान पर बमबारी रोकने पर सहमत हो गए हैं। यह सहमति उनकी डेडलाइन की रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 5.30 बजे) की समय सीमा से दो घंटे से भी कम समय पहले बनी। ट्रंप ने डेडलाइन पूरी होने पर पूरी सभ्यता को तबाह करने की धमकी दी थी। वाइट हाउस ने कहा है कि इजरायल ने भी इस अस्थायी युद्धविराम पर सहमति जताई है।

- शहबाज, मुनीर से बातचीत के बाद ट्रंप का ऐलान
- ईरान, होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को राजी

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मीडिया पर दो हफ्तों के युद्धविराम समझौते की जानकारी दी और कहा कि यह समझौता इस शर्त पर किया गया है कि ईरान, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोलने पर सहमत हो। ट्रंप की घोषणा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस प्रस्ताव के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत के लिए संघर्ष-विराम का सुझाव दिया था।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ हुई बातचीत के आधार पर- जिसमें उन्होंने मुझसे अनुरोध किया था कि मैं आज रात ईरान भेजे जा रहे विनाशकाली बल को रोक लूं- और इस शर्त पर कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह, तुरंत और सुरक्षित रूप से खोलने पर सहमत हो, मैं दो हफ्ते की अवधि के लिए ईरान पर बमबारी और हमले को रोकने पर सहमत हूं। यह एक दो-तरफा युद्धविराम होगा।'

युद्धविराम की वजह बताते हुए ट्रंप ने आगे कहा, 'ऐसा करने का कारण यह है कि हमने अपने सभी सैन्य उद्देश्यों को पहले ही पूरा कर लिया है और उनसे आगे भी निकल गए हैं। साथ ही हम ईरान के साथ दीर्घकालिक शांति और मध्य-पूर्व में शांति सुनिश्चित करने वाले एक निर्णायक समझौते की दिशा में काफी आगे बढ़ चुके हैं।'

इजरायल भी हमले रोकने पर सहमत

ट्रंप ने आगे लिखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर यह उनके लिए गर्व की बात है कि एक लंबे समय से चली आ रही यह समस्या अब समाधान के बेहद करीब है। वॉइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ष्टहह्म को बताया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से किए गए दो हफ्ते के सीजफायर का इजरायल की भी हिस्सा है। अधिकारी ने बताया कि इजरायल भी बातचीत जारी रहने तक बमबारी रोकने पर समहत हो गया है।

दोनों देशों ने पाकिस्तान को कहा शुक्रिया

कल से इस्लामाबाद में आगे की बातचीत करेंगे

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान दोनों ने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ़ की है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम के लिए सहमत हो गया है और इस दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को सुरक्षित आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। श्री अराघची ने युद्धविराम समझौता करवाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर के प्रति आभार व्यक्त किया। अमेरिका और ईरान 10 अप्रैल से इस्लामाबाद में युद्धविराम पर आगे की बातचीत करेंगे।'

पाकिस्तान ने जो काम किया, वो भारत को करना चाहिए था : राशिद अल्वी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनने के बाद कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने पाकिस्तान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जो काम भारत सरकार को करना चाहिए था, वह काम पाकिस्तान ने करके दिखाया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि युद्ध पर पूरी दुनिया की नजर थी। दुनिया चाहती थी कि युद्ध विराम हो। पाकिस्तान, तुर्की तथा सऊदी अरब की कोशिशों से अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो काम भारत सरकार को करना चाहिए था, वह पाकिस्तान ने करके दिखाया है। भारत की विदेश नीति सबसे ज्यादा फेल हुई है। उन्होंने दावा किया कि सीजफायर का क्रेडिट पाकिस्तान को जा रहा है।

रेत माफिया ने वन रक्षक को ट्रैक्टर से कुचला, मौके पर हुई मौत

मुरैना, एजेंसी। रेत माफिया के अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली पर कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम पर बुधवार सुबह हमला हो गया. बदमाशों ने वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला कर दिया. रेत माफिया ने वन आरक्षक को ट्रैक्टर से कुचल दिया. वन आरक्षक हरकेश गुर्जर के सिर पर ट्रॉली का पहिया चढ़ गया, मौके पर ही उनकी मौत हो गई. घटना दिमनी थाना इलाके में रानपुर गांव चौराहे के पास की है. पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, एसपी समीर सौरभ और डीएफओ हरिश्चंद बघेल मौके पर पहुंचे. पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है. वन आरक्षक के शव को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि अवैध रेत परिवहन की सूचना मिलने पर वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम मौके पर कार्रवाई करने पहुंची थी. वन विभाग की टीम को देख ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की. इस दौरान वन आरक्षक हरकेश गुर्जर उसे रोकने के लिए आगे बढ़े. ड्राइवर विनोद ने उन्हें कुचल दिया. ट्रॉली का पहिया आरक्षक के सिर पर चढ़ गया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

एडिशनल एसपी सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा दिमनी थाने में केस दर्ज कर लिया गया है.शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है. इलाके में अतिरिक्त फोर्स भेजी गई है. आरोपी की तलाश की जा रही है. जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लगी प्रस्ताव पर मुहर

उर्वरकों पर 41,533 करोड़ के सब्सिडी पैकेज को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने किसानों के लिए खरीफ मौसम में उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी में 4317 करोड़ रुपए की बढोतरी करते हुए 41,533 करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में उर्वरक विभाग के इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

उर्वरकों पर सब्सिडी का युक्तिकरण किया जाएगा

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह सब्सिडी पैकेज खरीफ मौसम यानी एक अप्रैल से 30 सितम्बर तक के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरों मे दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुमानित बजटीय आवश्यकता लगभग 41,533.81 करोड़ रुपए होगी जो पिछले वर्ष के खरीफ मौसम की बजटीय आवश्यकता से लगभग 4,317 करोड़ रुपए अधिक है। खरीफ 2025 का बजट 37,216.15 करोड़ रुपए था। श्री वैष्णव ने कहा कि किसानों को सब्सिडी दरों पर उर्वरकों की उपलब्धता सस्ती, किफायती और उचित कीमतों पर सुनिश्चित की जाएगी।

खेड़ा ने जारी किया नया वीडियो, सरमा परिवार पर फिर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइंया सरमा को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने जो आरोप लगाए थे, उसे लेकर बवाल थम नहीं रहा है. असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उन्हें गिरफ्तार करने भी पहुंची थी लेकिन वह मिले नहीं. अब पवन खेड़ा का नया वीडियो आया है. इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि जनता देख रही है कि पिछले दो दिन से असम के मुख्यमंत्री और देश के गृह मंत्री क्या-क्या हथकंडे अपना रही है।

उन्होंने कहा कि मैं जहां भी जाता हूं या उनको लगता है कि मैं गया हुआ हूं, वहां ये पुलिस भेज रहे हैं. सवाल ही तो उठाए हैं कांग्रेस पार्टी ने. आप

मुझे चुप क्यों करवाना चाहते हैं? सवाल पूछे हैं, जवाब दीजिए. हम कहते हैं ये कागज और जानकारी आई है, इसकी जांच कीजिए. आप जवाब देने की जगह गाली दे रहे हो. पुलिस छोड़ रहे हो. आप डराने की कोशिश कर रहे हैं. आपकी आदत डराने की हो सकती है लेकिन हमारी आदत डरने की नहीं है. क्योंकि मैं मेवाड़ का हूं, कांग्रेसी हूं, राहुल गांधी का सिपाही हूं। उन्होंने कहा कि जो कागज हमारे पास आए और वेबसाइट के नाम बताए, वो हमने सबके साथ साझा किया. हम तो यही उम्मीद करते हैं कि आप जांच बैठाएं। पवन खेड़ा ने कहा कि अब कुछ और जानकारियां आई हैं. सवाल आपके आईटी सेल ने उठाए थे. ये तारीख इसलिए 6 अप्रैल की आई है, क्योंकि जब नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट रिवोक हो जाती है, जितनी भी जानकारी प्राइवेट थी, वो पब्लिक हो जाती है. तो तारीख उसकी होती है. फाइलिंग और इनकॉर्पोरेशन में फर्क होता है. ये फाइलिंग की तारीख नहीं है. मैं इनकॉर्पोरेशन की बात पूछ रहा हूं। उन्होंने कुछ कागजात दिखाते हुए कहा कि मिस्र के पासपोर्ट, एंटिगुआ-बारबाडोस के पासपोर्ट और यूएई के गोल्डन वीजा की बात सही है या गलत, इसकी जांच होनी चाहिए. खेड़ा का कहना है कि सरमा और उनकी पत्नी की संपत्तियों से जुड़े सवालों का जवाब असम के मुख्यमंत्री को देना चाहिए।

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर रखा बरकरार

पश्चिम एशिया संकट से महंगाई बढ़ने की आशंका

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण आर्थिक वृद्धि प्रभावित होने और खुदरा महंगाई बढ़ने की आशंका जाहिर करते हुए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार को समाप्त बैठक में नीतिगत दरों को स्थिर रखने तथा 'इंतजार करो और नजर रखो' की नीति अपनाने का फैसला किया। एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का निर्णय किया। साथ ही अपना रुख तटस्थ बनाए रखा है। साथ ही स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट पांच प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट तथा बैंक रेट 5.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहेगी। चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में सात प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहेगी

असम, केरल और पुडुचेरी में आज मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 296 विधानसभा सीटों पर चुनाव के लिए गुरुवार को होने वाले मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई है। असम की 126 , केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 सीटों के लिए कल वोट डाले जाएंगे। मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम पांच बजे तक चलेगा। चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध कर लिये गये हैं और आयोग मतदान-केंद्रो पर मतदाताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है।

- असम की 126 , केरल की 140 व पुडुचेरी की 30 सीटों पर डाले जाएंगे वोट
- प्रत्येक मतदान केंद्र पर 750 से 850 मतदाता होंगे

चुनाव आयोग के मुताबिक औसतन प्रत्येक मतदान केंद्र पर 750 से 850 मतदाता होंगे, लेकिन किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से ज्यादा मतदाता नहीं होंगे। असम में 2,50,21,408 मतदाताओं के लिए कुल 28,205 मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं। केरल में 2,71,06,059 मतदाता हैं जिनके लिए 30,471 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। वहीं पुडुचेरी में 9,44,539 मतदाता 1,099 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर छाया और पेयजल के समुचित प्रबंध किए गए हैं।

आयोग ने इस बार 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं के लिए घर पर मतदान करने की सुविधा प्रदान की है तथा उनके लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। असम में कुल 722 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। केरल विधानसभा चुनाव के लिए 140 सीटों पर 890 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 2.71 करोड़ हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 ट्रांसजेंडर हैं। पुडुचेरी में कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य में मतदान के दौरान सुरक्षा के लिए करीब 3,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जिनमें पुडुचेरी पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और कर्नाटक पुलिस की विशेष टीम शामिल है।

मुख्यमंत्री ने जबलपुर से शुरू किया गांव-बस्ती चलो अभियान

भाजपा में राष्ट्र प्रथम और कांग्रेस में तुष्टिकरण की राजनीति

भोपाल/जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को जबलपुर के मानस भवन में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के तहत गांव-बस्ती चलो अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम के भाव के तहत कार्य करते हैं। जबकि कांग्रेस पार्टी और उसके कार्यकर्ता तुष्टिकरण प्रथम के सिद्धांत पर कार्य करते हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम से भाजपा आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। कांग्रेस ने किसानों के साथ इतने पाप किया है कि कांग्रेस पार्टी की दो पीढ़ियां भी माफी मांगें तो भी कम है। भाजपा ने जनसंघ से लेकर आज तक अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। जन उद्देश्यों को लेकर जनसंघ का गठन किया गया था, हम आज भी उसी विचारधारा को लेकर देश और जनता की सेवा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की अपनी स्वयं की कोई विचारधारा नहीं है। देश की आजादी के बाद पंडित मदन मोहन मालवीय जब वाराणसी में काशी हिंदू विश्व विद्यालय की स्थापना करा रहे थे, तब

तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर से लेकर अयोध्या में भगवान श्रीराम लला के मंदिर को लेकर क्या कर रहे थे, देश जानता है। भाजपा ने सनातन संस्कृति के भाव से कभी समझौता नहीं किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कहा कि भाजपा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को प्रतिपादित करते हुए अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति की जिंदगी संवारने का कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है। कार्यकर्ताओं की बदौलत भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है।

वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का किया सम्मान: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गांव-बस्ती चलो अभियान का शुभारंभ अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजयराज पटैरिया, सुरेश देशपाण्डे, आनंद बर्नाड, राजकुमार मेहता, गोकुल केसरवानी, सत्यप्रकाश खरे, विजय बर्मन, वीरेन्द्र गिरी गोस्वामी, कमल गुमास्ता एवं रामप्रकाश गर्ग का सम्मान किया।

इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, सुमित्रा बाल्मीकि, पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, जिला प्रभारी आलोक संजर, महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, पूर्व मंत्री व विधायक अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पाण्डेय, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जिला अध्यक्ष ग्रामीण राजकुमार पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया, मनोरमा पटेल, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज मंचासीन रहे।

लखनऊ सुपर जायंटस और केकेआर में खासे रोचक संघर्ष की उम्मीद

पंत की अगुआई में लखनऊ लगातार दूसरी जीत दर्ज करने के मकसद से उतरेगी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। विकेटकीपर बल्लेबाज कप्तान ऋषभ पंत के सूझबूझ भरे अर्द्धशतक और सदाबहार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के मात्र 9 रन दे चटकाए दो विकेट की बदौलत लखनऊ सुपर जायंटस की टीम सनराइजर्स हैदराबाद को उसके घर हैदराबाद में पांच विकेट से हरा जीत की राह पर वापस लौट चुकी है। लखनऊ सुपर जायंटस अब बृहस्पतिवार को मेजबान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को ईडन गार्डंस पर हरा तीन मैचों में लगातार दूसरी जीत दर्ज करने के मकसद से उतरेगी। केकेआर शुरू के तीन में दो हारने और तीसरा अधूरा बेनतीजा समाप्त होने के चलते बुरी जूझती नजर आ रही है। लखनऊ सुपर जायंटस ने केकेआर से बीते बरस अपने आखिरी मैच सहित पांच में तीन मैच जीते हैं। दोनों टीमों के बीच भले ही लखनऊ सुपर जायंटस का पलड़ा केकेआर के खिलाफ भारी रहा,लेकिन पिछले पांच में से ज्यादातर मैच बेहद करीबी रहे हैं। लखनऊ सुपर जायंटस और कोलकाता में केकेआर के खिलाफ बृहस्पतिवार को खेला जाने वाले मैच में खासे रोचक संघर्ष की उम्मीद है। मोहम्मद शमी घरेलू रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए ईडन गार्डंस पर खेले हैं और ऐसे में उनका अनुभव लखनऊ सुपर जायंटस के बहुत काम आ सकता है। शमी ने यदि हैदरबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच की तरह बृहस्पतिवार को केकेआर के शुरू के विकेट सस्ते में निकाल दिए तो फिर लखनऊ सुपर जायंटस शुरू में ही मैच पर अपनी पकड़ बना सकती है। लखनऊ सुपर जायंटस के लिए ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श (कुल 56 रन) व दक्षिण अफ्रीका के एडन मरक्रम(कुल 49 रन) शुरू के दो मैचों में अच्छे आगाज को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं।

केकेआर दो हार के बाद बुरी जूझती नजर आ रही

गेंदबाज तय करते हैं मैच की दिशा : पंत

लखनऊ सुपर जायंटस के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा, 'मेरा आखिर तक क्रीज पर रह कर अपनी लखनऊ सुपर जायंटस टीम को जिता कर लौटना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रहा। गेंदबाजों की तारीफ की जानी चाहिए क्योंकि वे ही मैच की दिशा तय करते हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और आवेश खान के साथ लेग स्पिनर दिग्वेश राठी सहित हमारे सभी गेंदबाजों ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उसके घर मे हमारी टीम को जिताने में योगदान किया साथ ही बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ ने भी गेंद से योगदान किया। हमारा यह मानना है कि कोई भी मैच आदर्श मैच नहीं होता। प्रबंधन के लिहाज से हमें हमें आलोचनात्मक रुख अपनाना पड़ता है, लेकिन हम योजना को अमली जामा पहनाने की तारीफ करते हैं। मैं जानता हूं कि मैं बढ़िया ढंग से तैयारी कर रहा था। बस यही कहूंगा कि अंत भला, तो सब भला। मैं अपने बल्ले से जवाब देना चाहता था। मेरी टीम के साथी और हमारा प्रबंधन जानता है कि मैं कितनी शिद्दत से मेहनत कर रहा था और यही बात मायने भी रखती है।

मैंने धीमी गेंद का बहुत इस्तेमाल किया : शमी

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैन ऑफ द' मैच रहे लखनऊ सुपर जायंटस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा, 'हम अपना पिछला मैच हार गए थे और लय पाने के लिए हमारे लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच जीतना जरूरी था। आप यदि खेलना चाहते हैं तो आपको मैच में बने रहना है। आप पूरी तरह फिट होने पर अपना कौशल बेहतर करने के लिए मेहनत कर सकते हो। मैं इसीलिए घरेलू मैचों में बराबर खेलता रहा। बिना कौशल और अनुभव के कुछ मुमकिन नहीं। बावजूद इसके आपको हालात के मुताबिक ढालना होता है। मैं बीते बरस भी यहां था, और मैंने धीमी गेंद का बहुत इस्तेमाल किया। प्रतिद्वंद्वी टीमों के गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का बहुत इस्तेमाल किया तो फिर हम भी क्यों न इसका

सैमसन, बटलर और वॉटसन के क्लब में शामिल हुए यशस्वी

गुवाहाटी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को तीनों फॉर्मेट में खेलने के लिए उपयुक्त माना जाता है। वह भारतीय टीम के टेस्ट स्क्वाड का नियमित हिस्सा हैं, लेकिन अच्छे प्रदर्शन के बावजूद वनडे और टी20 में उनकी जगह स्थिर नहीं है। जायसवाल बिना इससे निराश हुए जहां भी मौका मिलता है, पूरी क्षमता के साथ अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। आईपीएल 2026 में मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में जायसवाल ने कुछ ऐसा ही किया और एक अनोखा कीर्तिमान अपने नाम किया। मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में यशस्वी जायसवाल ने मात्र 32 गेंदों पर 77 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। चौथा छक्का लगाते ही आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए यशस्वी जायसवाल ने अपने 100 छक्के पूरे कर लिए। जायसवाल से पहले आरआर के तीन ही बल्लेबाज यह उपलब्धि हासिल कर सके हैं। पूर्व कप्तान संजू सैमसन 192 छक्कों के साथ पहले स्थान पर हैं। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर 135 छक्कों के साथ दूसरे, और आरआर को 2008 में पहला खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले शेन वॉटसन 109 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

जायसवाल ने मुंबई के खिलाफ 32 गेंदों पर 77 रनों की विस्फोटक पारी खेली

वैभव-यशस्वी की तारीफ के लिए मेरे पास शब्द नहीं : रियान

गुवाहाटी। आईपीएल 2026 का 13वां मुकाबला मंगलवार को बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम, गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। बारिश की वजह से 11-11 ओवर के इस मैच में एमआई को 27 रन से हार का सामना करना पड़ा। आरआर की जीत के हीरो उनके सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने रहे। मैच के बाद आरआर के कप्तान रियान पराग ने दोनों बल्लेबाजों की जमकर तारीफ की। रियान पराग ने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बारे में कुछ बताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह इस आईपीएल में बतौर ओपनर पहले स्थान पर मौजूद हैं। उनके पास उम्र है, प्रतिभा है। वैभव बस कमाल का है। अगर आपने उसे अहमदाबाद में देखा होता, तो उसने हालात को समझा और आगे बढ़ गया। जायसवाल ऐसा 3-4 साल से कर रहा है। मुझे लगता है कि दोनों अपनी स्किल्स और इतनी कम उम्र के बावजूद परिपक्वता की वजह से सबसे अच्छा कर रहे हैं।' पराग ने आगे कहा कि तीन मैचों में तीन जीत हासिल कर बहुत अच्छा लग रहा है। जिस तरह से लड़कों ने खेला, मैं उनसे और कुछ नहीं मांग सकता, बस शाबाशी दे सकता हूं। मुझे हमेशा से पता था कि यह टीम बहुत मजबूत है।

सलीमा की अगुआई में अर्जेंटीना दौरे के लिए घोषित 24 सदस्यीय

भारतीय महिला हॉकी टीम में दीपिका और सविता ने की वापसी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (देशबन्धु)। भरोसेमंद मिडफील्डर सलीमा टेटे की अगुआई में अर्जेंटीना में उसके खिलाफ 13 से 17 अप्रैल, 2026 तक ब्यूनस आयर्स में खेली जाने वाली चार मैचों की हॉकी सीरीज की भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की बुधवार को घोषणा कर दी गई। बड़े जिगरे से खेलने वाली चतुर और शांत सलीमा टेटे भारत की मध्यपंक्ति और आक्रमण के बीच एक मजबूत और अहम कड़ी है। चोट के चलते लंबे समय तक बाहर रहने के बाद इससे उबर कर स्ट्राइकर-ऑलराउंडर दीपिका और 'आराम' दिए जाने के बाद अनुभवी गोलरक्षक सविता ने बीते महीने तेलंगना में अहम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वॉलिफायर्स से बाहर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी की है। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए दुनिया की शीर्ष महिला हॉकी टीमों में से एक अर्जेंटीना के खिलाफ उसके घर में यह चार मैचों की सीरीज इस साल अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले महिला हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारियों के बेहद अहम है। अर्जेंटीना दौरे के लिए चीफ कोच शुएर्ड मराइन के मार्गदर्शन में भारत की अनुभवी और नौजवान खिलाड़ियों की एक मिली जुली मजबूत टीम चुनी गई है।भारतीय महिला हॉकी टीम अपन इस अर्जेंटीना दौरे पर मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ13, 14, 16 और 17 अप्रैल को चार मैच खेलेगी और ये सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े बजे से खेले जाएंगे। भारत के चीफ कोच शुएर्ड मराइन ने स्ट्राइकर - ड्रैग फ्लिकर दीपिका की फिट होने के बाद महिला हॉकी टीम में बहु प्रतीक्षित वापसी का स्वागत किया है। भारतीय महिला हॉकी टीम का यह अर्जेंटीना दौरा महज तैयारी ही रहीं बल्कि खिलाड़ियों के लिए खुद अपनी छाप छोड़ कर 2026 के एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने का भी मौका है। अर्जेंटीना दौरे के लिए चुनी गई भारतीय महिला हॉकी टीम की बाबत चीफ कोच शुएर्ड मराइन ने कहा,' हमारे लिए यह अर्जेंटीना दौरा कई और खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव दिलाने के साथ उन्हें अर्जेंटीना जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ परखने का मौका है। हमारे लिए टीम के भीतर ही उसकी ताकत बढ़ा उसे मजबूत बनाना खासा अहम है। अर्जेंटीना का यह दौरा हमारी नौजवान खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर हॉकी की जरूरतों को समझने के साथ अलग अलग संयोजनों को आजमाने का मौका है।

■ 2026 महिला हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए अर्जेंटीना दौरा अहम

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम

गोलरक्षक : सविता , बिच्छू देवी खरीबम।
रक्षापंक्ति : निकी प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरंबम,मनीषा चौहान, ललथांतलुआंगी, ज्योति, उदिता।
मध्यपंक्ति : वैष्णवी विट्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनीलिता टोपो, सलीमा टेटे, नेहा, दीपिका सोरेंग, ऋतुजा डडासो पिसल, इशिका।
अग्रिम पंक्ति : बलजीत कौर, नवनीत कौर, दीपिका, अनु, ब्यूटी डुंगडुंग, ललरेमिसयामी, मुमताज खान।

सार संक्षेप

शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में वॉर्नर ने मानी गलती

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर से जुड़े ड्रिंक-ड्राइविंग केस में नई जानकारी सामने आई है। वार्नर ने शराब के नशे में गाड़ी चलाने के आरोप को स्वीकार कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक डेविड वॉर्नर ने पुलिस को बताया कि सिडनी के पूर्वी उपनगरों में रोके जाने से कुछ देर पहले उन्होंने शराब पी थी। मीडियसा की रिपोर्ट के मुताबिक, वार्नर ने कथित तौर पर अधिकारियों को बताया कि ईस्टर संडे को गाड़ी चलाने से पहले वह एक दोस्त के साथ शराब पी रहे थे। उन्होंने बताया कि मारोबरा में अपने घर वापस जाने की कोशिश करने से पहले उन्होंने तीन ग्लास वाइन पी थी। वार्नर को एक रैंडम ब्रेथ-टेस्टिंग ऑपरेशन के दौरान रोका गया, जहां पुलिस ने देखा कि एक वैन चेकपॉइंट से थोड़ी दूर रुककर पार्क कर रही है। फिर अधिकारी गाड़ी के पास गए और सड़क किनारे टेस्ट किया, जिसमें अल्कोहल की पॉजिटिव रीडिंग आई। फिर वार्नर को आगे की जांच के लिए मारोबरा पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां कथित तौर पर उनके खून में अल्कोहल का स्तर 0.104 दर्ज किया गया, जो कानूनी सीमा से दोगुने से भी अधिक है। तब से उन पर ड्रिंक-ड्राइविंग के एक मिड-रेंज अपराध का आरोप लगाया गया है। उन्हें 7 मई को डाउनिंग सेंटर स्थानीय कोर्ट में पेश होना है।

चोट के कारण झेंग किनवेन स्टटगार्ट ओपन से हटीं

बर्लिन। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बुधवार को घोषणा की कि चीन की झेंग किनवेन चोट के कारण अगले सप्ताह स्टटगार्ट में होने वाले डब्ल्यूटीए 500 इवेंट से हट गई हैं। झेंग के हटने का मतलब है कि 2026 सीजन में क्ले-कोर्ट पर उनका डेब्यू टल जाएगा। फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला, जो अभी दुनिया में 46वें नंबर पर हैं, मुख्य ड्रॉ में उनकी जगह लेंगी। एक बयान में, स्टटगार्ट ओपन ने कहा कि हम किनवेन के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि उन्हें बहुत जल्द स्टटगार्ट में कोर्ट पर वापस देखेंगे। ' झेंग आखिरी बार मार्च में डब्ल्यूटीए 1000 मियामी ओपन टूर्नामेंट में खेली थीं, जहाँ चौथे राउंड में उन्हें बेलारूस की दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा था और वे क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने से चूक गई थीं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स 2030 से वर्ल्ड मैराथन चैम्पियनशिप शुरू करेगा

पेरिस। वर्ल्ड एथलेटिक्स ने मैराथन को मौजूदा वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फॉर्मेट से अलग करने और 2030 से एक अलग वर्ल्ड मैराथन चैम्पियनशिप शुरू करने की योजना बनाई है। इस वैश्विक शासी निकाय ने मंगलवार को घोषणा की कि मैराथन 2027 और 2029 के संस्करणों में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप का हिस्सा बनी रहेगी, लेकिन 2030 से यह अपनी अलग चैंपियनशिप में शामिल हो जाएगी। 2031 से आगे, वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कोई भी रोड रनिंग इवेंट नहीं होगा। वर्ल्ड मैराथन चैंपियनशिप हर साल आयोजित की जाएगी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की दौड़ बारी-बारी से अलग-अलग वर्षों में होगी। वर्ल्ड एथलेटिक्स रोड रनिंग चैंपियनशिप , जिसमें एक मील, 5 किलोमीटर और हाफ़-मैराथन की दूरियाँ शामिल हैं, एक अलग वार्षिक इवेंट के तौर पर जारी

10 मीटर पिस्टल फाइनल में जगह बनाने से चूके भारतीय पुरुष निशानेबाज

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल के मेंस 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के फाइनल में भारतीय निशानेबाज जगह बनाने से चूक गए। बुधवार को स्पेन के ग्रेनाडा में लास गैबियास शूटिंग रेंज में मुकेश नेलावल्ली भारतीयों में सबसे ऊपर 14वें स्थान पर रहे। मुकेश ने इससे पहले मंगलवार को 10 मीटर मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड जीता था। 86 निशानेबाजों के क्वालिफिकेशन ग्रुप में, मुकेश ने 579-21× (94, 98, 98, 97, 95) का स्कोर किया, जो फाइनल में क्वालीफाई करने के लिए जरूरी स्कोर से दो प्वाइंट्स कम था। एंटोन अरिस्टारखोव ने 581-203 के स्कोर के साथ फाइनल में जगह पक्की की। चीन के जी यू 588-183 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में सबसे ऊपर रहे। हालांकि, भारतीयों में सबसे अच्छा प्रदर्शन आकाश भारद्वाज का रहा, जिन्होंने 580-263 का स्कोर करके स्टैंडिंग में 10वां स्थान हासिल किया, लेकिन वे सिर्फ रैंकिंग प्वाइंट के लिए ही खेल रहे थे। मैदान में मौजूद अन्य भारतीयों में, उज्ज्वल मलिक 577-173 के स्कोर के साथ 22वें स्थान पर रहे। प्रमोद कुमार 574-163 के स्कोर के साथ 39वें स्थान पर रहे। वरुण तोमर, जो रैंकिंग पॉइंट के लिए ही खेल रहे थे, उन्होंने 569-133 का स्कोर करके 63वां स्थान हासिल किया।

सिंधु-प्रणय की जीत, लक्ष्य और किदांबी को लगा झटका

निंगबो, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप के पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। बुधवार को 2 बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और एचएस प्रणॉय ने पहले राउंड की कड़ी चुनौती को पार कर लिया, जबकि लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत को बाहर होना पड़ा। सिंधु को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग ने कड़ी टक्कर दी, जिसके बाद उन्होंने तीन गेम में मुश्किल से जीत हासिल की। पहला गेम 15-21 से हारने के बाद, भारतीय शटलर ने खुद को संभाला और दूसरे गेम पर 21-11 से कब्जा कर लिया। निर्णायक गेम एक तनावपूर्ण मुकाबला बन गया, जिसमें बार-बार मैच का रुख बदल रहा था। जब स्कोर 19-19 पर बराबर था, तो सिंधु ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए आखिरी दो प्वाइंट जीते और एक घंटे सात मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय स्टार अब दूसरे राउंड में चीन की वांग झी यी से भिड़ेंगी। इस बीच, प्रणॉय ने गुयेन हाई डांग को सीधे गेम में 24-22, 21-12 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। उन्होंने पहले गेम में कई 'गेम प्वाइंट' बचाते हुए 24-22 से करीबी जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में पूरी तरह दबदबा बनाया और लय बनाए रखते हुए 21-12 से गेम जीत लिया। अब दूसरे राउंड में उनका मुकाबला चीन के शटलर वेंग होंग यांग से होगा। इसके विपरीत, लक्ष्य सेन को हांगकांग के ली चेउक यियू के हाथों सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया। 41 मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य को 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में, श्रीकांत को सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू के हाथों तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्होंने पहले गेम में कड़े संघर्ष के बाद 21-18 से जीत हासिल की। हालांकि, लोह ने दूसरे गेम में वापसी की, रैलियों पर अपना दबदबा बनाया और 21-9 से गेम जीतकर मैच बराबर कर दिया।

सिंधु अब दूसरे राउंड में चीन की वांग झी यी से भिड़ेंगी

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप

बेरेटिनी ने बनाई तीसरे दौर में जगह

मोंटे कार्लो, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मोंटे-कार्लो मास्टर्स में बुधवार को वाइल्डकार्ड एंट्री पाने वाले माटेओ बेरेटिनी ने वर्ल्ड नंबर-10 खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव को 6-0, 6-0 से मात देकर तीसरे दौर में जगह बना ली है। यह मैच सिर्फ 49 मिनट तक चला। इटैलियन खिलाड़ी ने पूरे मुकाबले में मेदवेदेव पर दबदबा बनाए रखा। इस दौरान मेदवेदेव का प्रदर्शन काफी खराब रहा। वह अपनी ही सर्विस पर एक भी गेम प्वाइंट नहीं बना पाए। इस हार के साथ ऐसा पहली बार हुआ, जब इस रूसी खिलाड़ी ने टूर-लेवल का कोई मैच बिना एक भी गेम जीते गंवाया। बेरेटिनी ने अब इस टूर्नामेंट में अपने शुरुआती दोनों मैच बिना कोई गेम गंवाए जीत लिए हैं। पहले दौर में, 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 4-0 की बढ़त बना ली थी, जब रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट चोट के कारण मैच से हट गए थे। पूर्व वर्ल्ड नंबर-6 खिलाड़ी ने पिछले साल इसी टूर्नामेंट में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराने के बाद से अब टॉप-10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की है। ऐसा पहली बार था जब बेरेटिनी ने टूर-लेवल पर 6-0, 6-0 से जीत हासिल की। डेनिल मेदवेदेव, जो इस साल दुबई और ब्रिस्बेन में खिताब जीतने के बाद अपना पहला क्ले-कोर्ट मैच खेल रहे थे, इस मुकाबले में लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने एकतरफा मुकाबले में 27 अनफोर्स्ड एरर किए। इस जीत के साथ बेरेटिनीने मेदवेदेव के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 1-3 कर लिया। अब अगले दौर में उनका सामना जोआओ फोंसेका या आर्थर रिंडरकनेच में से किसी एक से होगा। मैच जीतने के बाद बेरेटिनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक था। मुझे लगता है कि पूरे मैच में मैंने सिर्फ तीन शॉट मिस किए, और डेनिल जैसे मुश्किल खिलाड़ी के खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं होता। पहले गेम में मुझे दो ब्रेक प्वाइंट्स का सामना करना पड़ा, और उसके बाद मुझे लगा कि मैं उससे बेहतर खेल रहा हूं।

माटेओ बेरेटिनी ने डेनिल मेदवेदेव को 6-0, 6-0 से हराया

एफसी बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को 2-1 से हराया

मैड्रिड, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। एफसी बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की दिशा में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। बायर्न के लिए लुइस डियाज और हैरी केन ने गोल किए, जबकि मैड्रिड की ओर से किलियन म्बाप्पे ने एकमात्र गोल दागा। मैच में बायर्न ने कई मौके बनाए और टीम को महसूस होगा कि वह बड़े अंतर से जीत सकती थी। मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने युवा मिडफील्डर थियागो पिटार्च को मौका दिया, जबकि ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड और अल्वारो कैरेरास को फुलबैक के रूप में उतारा। वहीं बायर्न को केन की फिटनेस से बड़ी मजबूती मिली। मैच की शुरुआत में बायर्न को केन के शुरुआत करने के लिए फिट होने से बढ़ावा मिला। केन ने तुरंत असर डाला, लेकिन डेयोट उपामेकानो मौका नहीं भुना सके। एक फ्री किक को डेयोट उपामेकानो की तरफ हेड किया, लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया। इसके बाद मैड्रिड ने पलटवार किए, जहां मैनुअल न्यूएर ने शानदार बचाव करते हुए एम्बाप्पे और विनीसियस जूनियर को गोल करने से रोका। पहला गोल 40वें मिनट में आया, जब डियाज ने बेहतरीन मूव के बाद बायर्न को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही केन ने शानदार शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

खरगे पर टिप्पणी के विरोध में महिला कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध आज महिला कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सामने प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री सरमा का पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान जमकर नारेबाजी हुई, जिससे कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण बना रहा। पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा।

महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव रूपाली शर्मा ने श्री खड़गे के खिलाफ टिप्पणी को दलित समाज का अपमान बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री को इसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी पर विदेशी संपत्ति और कई पासपोर्ट होने के आरोप लगाए थे। इस पर श्री खड़गे ने भी सवाल उठाए थे। उन्हीं आरोपों पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा था कि खड़गे जी की उम्र हो गई है, लेकिन फिर भी वह एक पागल व्यक्ति की तरह बात कर रहे हैं। बिना सच जाने आप ऐसे आरोप कैसे लगा सकते हैं?

विवाह का झांसा देकर किया से दुष्कर्म, मामला दर्ज

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी के कमला नगर थाना क्षेत्र में विवाह का झांसा देकर एक युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी सैयद मसरत ने युवती को विवाह का आश्वासन देकर अपने प्रभाव में लिया। आरोप है कि उसने युवती को एक होटल में बुलाया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद जब युवती ने आरोपी पर विवाह करने का दबाव बनाया, तो उसने स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया।आरोपी द्वारा धोखा दिए जाने के बाद पीड़िता ने कमला नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के कथनों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।कमला नगर थाना पुलिस के अनुसार, आरोपी की तलाश की जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

कमला नगर थाना क्षेत्र की घटना, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

संस्कृत संस्थान से संबंधित विद्यालयों के सैकड़ों छात्रों को राहत

अन्य बोर्ड से उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश न देने की नीति के क्रियान्वयन पर रोक

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट से महार्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल से संबद्ध प्रदेश के 11 विद्यालयों के सैकड़ों छात्रों को बड़ी राहत मिली है। जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने इन विद्यालयों में अध्ययनरत 9वीं एवं 11वीं कक्षा के छात्रों जिन्होंने क्रमश: एमपी बोर्ड या सीबीएसई से उत्तीर्ण की है, उन्हें 10वीं एवं 12वीं कक्षा के फॉर्म भरने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने 27 जून 2024 की नई नीति के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी, जिसमें अन्य बोर्डों से उत्तीर्ण छात्रों को संस्कृत बोर्ड के विद्यालयों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। मां जगदंबा संस्कृत विद्यालय रायसेन सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नरिंदरपाल सिंह रूपराह और अधिवक्ता सुश्री मुस्कान आनंद ने पक्ष रखा। दरअसल, पूर्व में संस्कृत बोर्ड अपने संबद्ध विद्यालयों को यह अनुमति देता था कि वे ऐसे छात्रों को प्रवेश दें जिन्होंने अपनी पिछली कक्षा एमपी बोर्ड भोपाल या सीबीएसई से उत्तीर्ण की हो। अचानक बिना किसी औचित्य के नीति में परिवर्तन कर दिया गया। इस निर्णय से हजारों छात्र प्रभावित हुए और 11 विद्यालयों को इस राहत हेतु उ´च न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय ने कहा उक्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को बुधवार से चार दिनों के भीतर फॉर्म भरने की अनुमति दी जाए। आवश्यक सभी दस्तावेजों का सत्यापन प्रतिवादी-संस्था द्वारा अगले चार दिनों के भीतर किया जाएगा। तत्पश्चात छात्र चार दिनों के भीतर परीक्षा शुल्क जमा करेंगे। सभी आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण करने के पश्चातए सरकार उन्हें नियमों के अनुसार

प्रवेश पत्र जारी कर परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति देगी।

-महिला आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री का आलेख

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

● *नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री*

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी है। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं।

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है।

संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

आयुष मंत्री श्री परमार की अध्यक्षता में पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय की साधारण सभा की हुई बैठक

संस्थान के विकास, बजट एवं कार्य योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

भोपाल, देशबन्धु। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंगलवार को, भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान में, महाविद्यालय की साधारण सभा की बैठक हुई। मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालयीन गतिविधियों, विकास कार्यों एवं आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की और विभिन्न प्रस्तावित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर, आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक वित्तीय प्राक्कलन (बजट) का अनुमोदन पारित किया गया। साथ ही संस्थान चिकित्सालय के पैथोलॉजी विभाग में ई.एम.जी./ ई.ई.जी./ ईको-कॉडियोग्राफी/अल्ट्रा सोनोग्राफी की दरों का निर्धारण भी किया गया।

मंत्री श्री परमार ने संस्थान परिसर में 5 एकड़ में विकसित हर्बल गार्डन के और अधिक विस्तार के लिए आवश्यक प्रयास करने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने आदिवासी अंचलों में प्रचलित आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों पर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुरूप शोध किए जाने की दिशा में कार्य करने को कहा।

बैठक में संस्थान की आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा करते हुए मंत्री श्री परमार ने, अकादमिक ब्लॉक, एनिमल हाउस, फार्मेसी भवन एवं इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की पूर्णता, यू.जी. बॉयज हॉस्टल के निर्माण प्रारंभ करने तथा चिकित्सालय में इमरजेंसी यूनिट, आईसीयू एवं एनआईसीयू की स्थापना सहित विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत मंथन कर आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही संस्थान की प्रयोगशाला को एनएबीएल प्रत्यायन दिलाने एवं संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका के प्रकाशन पर भी चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त पी.जी. बॉयज हॉस्टल (150 सीट) एवं पी.जी. गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण प्रस्ताव, दो नए विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिये 50 अतिरिक्त शैय्याओं की वृद्धि तथा बजट, आय-व्यय एवं आवश्यक वित्तीय प्रावधानों पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही संस्थान की स्वयं की वेबसाइट के माध्यम से शुल्क प्राप्त करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। मंत्री श्री परमार ने, धार एवं बड़वानी जिलों में सिकल सेल रोगियों के लिए आयुर्वेदिक औषधियों के सहायक उपचार पर आधारित अध्ययन रिपोर्ट का विमोचन किया। बैठक में अपर सचिव आयुष डॉ. संजय मिश्र एवं संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. उमेश शुक्ला सहित साधारण सभा के विभिन्न सदस्यगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का प्रदर्शन

डीपीआई मुख्यालय का घेराव, प्रदेशभर में सौंपे गए ज्ञापन

भोपाल, देशबन्धु। टीईटी अनिवार्यता के आदेश के विरोध में शिक्षक संगठनों ने बुधवार को राजधानी में एकजुट होकर लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) मुख्यालय का घेराव किया। नारेबाजी करते हुए शिक्षकों ने परीक्षा निरस्त करने की मांग उठाई। वहीं इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में कलेक्टर कार्यालयों पर भी शिक्षकों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे।

शिक्षकों का आरोप है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के नाम पर जारी इस आदेश से हजारों पुराने शिक्षकों की नौकरी पर संकट खड़ा हो गया है। संगठनों ने सरकार से आदेश निरस्त करने और न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग की है।

18 अप्रैल को परिवार सहित प्रदर्शन की चेतावनी: अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी उपेंद्र कौशल ने बताया कि जिला स्तर पर प्रदर्शन के बाद डीपीआई के संचालक को ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि यदि 11 अप्रैल तक सरकार ने न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर नहीं की, तो आंदोलन पुन: शुरू किया जाएगा। मांगें नहीं मानी गईं तो 18 अप्रैल को प्रदेशभर के शिक्षक भोपाल में परिवार सहित प्रदर्शन करेंगे।

आदेश को लेकर असंतोष

हाल ही में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से अधिक समय शेष है, उन्हें अनिवार्य रूप से टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। दो वर्ष के भीतर परीक्षा पास नहीं करने पर सेवा समाप्ति का प्रावधान किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि यह निर्णय न्यायालय के निर्देशों के आधार पर लिया गया है, लेकिन इस आदेश से शिक्षकों में व्यापक असंतोष देखा जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर बच्चों के साथ संवाद, जन्मदिन पर पौधे लगाने का संकल्प

भोपाल, देशबन्धु। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियान मध्य प्रदेश द्वारा मंगलवार को शासकीय माध्यमिक विद्यालय, बाबा नगर में बच्चों के साथ जागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान आशा मिश्रा, सुभाष शर्मा, निधि शुक्ला, डॉ. एस. के. सक्सेना, स्वेता रथ एवं भूपेंद्र नागर ने बच्चों को भीषण गर्मी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों ने बच्चों को अधिक पानी पीने, धूप में निकलते समय सिर ढकने, हल्के और सूती कपड़े पहनने तथा दोपहर के समय अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी। साथ ही स्वच्छता बनाए रखने और संतुलित आहार लेने पर भी जोर दिया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता जाता है कि मेरा नाम सन्नो बी पति जावेद (SANNO BI W/O JAVED) है जबकि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम अंजुम पिता इलाई (ANJUM D/O ILAI) अंकित हो गया है । मेरे वोटर कार्ड में मेरा नाम सन्नो बी पति जावेद (SANNO BI W/O JAVED) दर्ज होने से प्रमाणित है ।

राजपत्र प्रकाशन उपरांत मुझे सन्नो बी पति जावेद (SANNO BI W/O JAVED) नाम से जाना पहचाना जाए एवं सभी शासकीय/अशासकीय, शैक्षणिक /अशैक्षणिक दस्तावेजों व आधार कार्ड में दर्ज किया जाकर मान्य किया जाए ।

गलत नाम
अंजुम पिता इलाई
(ANJUM D/O ILAI)

सही नाम
सन्नो बी पति जावेद (SANNO BI W/O JAVED)
पता-अन्नू नगर करोद तहसील हुजूर जिला भोपाल
म.प्र. पिन-462038

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता जाता है कि मेरा नाम सुदामा पिता सहदेव (SUDAMA S/O SAHDEV) है जबकि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम सुदामा बेहरे C/O देवराम केदार (Sudama Behre C/O Devram Kedar) अंकित हो गया है । मेरे कार्यालयीन विनियमितीकरण आदेश, वोटर कार्ड एवं बैक पास बुक में मेरा सुदामा पिता सहदेव दर्ज होने से प्रमाणित है ।

राजपत्र प्रकाशन उपरांत मुझे सुदामा पिता सहदेव नाम से जाना पहचाना जाए एवं सभी शासकीय/अशासकीय, शैक्षणिक /अशैक्षणिक दस्तावेजों व आधार कार्ड में दर्ज किया जाकर मान्य किया जाए ।

गलत नाम
सुदामा बेहरे C/O देवराम केदार
(Sudama Behre C/O Devram Kedar)

सही नाम
सुदामा पिता सहदेव
(SUDAMA S/O SAHDEV)
पता-ब्लाक नं. 09, मकान नं. जी-5, शबरी नगर,
कोटरा सुल्तानाबादर भोपाल म.प्र. पिन-462003

कार्यालय नगर पालिका परिषद महासमुंद
जिला-महासमुंद (छ.ग.)

क्रमांक/50/लो.नि.वि./SBM 2.0/2026-27 महासमुंद, दिनांक 08.04.2026

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना (तृतीय आमंत्रण)

नगर पालिका परिषद महासमुंद, जिला-महासमुंद छ.ग. द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Form-A (PERCENTAGE RATE) में नीचे उल्लेखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	सिस्टम टेंडर नंबर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	समयावधि
1	188525	Revamping of Material Facility (MRF) including of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas Mahasamund, Chhattisgarh	150.12	20.04.2026	06 माह वर्षाऋतु सहित एवं 03 माह ट्रालय रन

उपरोक्त कार्यों की निविदा शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबपोर्टल Main Portal : https/eproc. cgstste. gov.in वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद महासमुंद

कार्यालय नगर पालिका परिषद
इटारसी, जिला- नर्मदापुरम (म.प्र.)

PHONE: 07572-235613
E-mail- cmoitarsi@mpurban.gov.in

क्र. / 46 / नपाइ / 2026 इटारसी, दिनांक 08.04.2026

आम सूचना

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के B.L.C. अंतर्गत U.W.P पर प्राप्त आवेदनों की जांच/निरीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहीयों की आठवीं सूची नगर पालिका सुचना पटल पर चस्पा की गयी है. इस सबंध में दावा आपत्ति दिनांक **13.04.2026** शाम 05.00 बजे तक आमंत्रित किये गये है निधारित समय सीमा उपरांत दावे आपत्ति मान्य नहीं किये जावेंगे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, इटारसी

मधुर धुनों से युवाओं को खाकी की ओर खींचेगा पुलिस बैंड

भोपाल, देशबन्धु। युवाओं को पुलिस सेवा की ओर आकर्षित करने और संगीत में रुचि रखने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस ने एक अनूठी पहल शुरू की है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर आरक्षक (बैंड) भर्ती 2026 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए राजधानी भोपाल के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर 7वीं वाहिनी पुलिस बैंड द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

देशभक्ति की धुनों से सजेगी शाम

बैंड प्रभारी श्रीमती कमला रावत के अनुसार, बुधवार से 19 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 5ः30 से 6ः30 बजे तक पुलिस बैंड आकर्षक प्रस्तुतियां देगा। इन कार्यक्रमों में देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों के साथ लोकप्रिय गीत भी प्रस्तुत किए जाएंगे, जिससे आम नागरिकों और विशेषकर युवाओं को जोड़ा जा सके। पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं में पुलिस सेवा के प्रति रुचि जगाना और उन्हें भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रेरित करना है। जानकारी के अनुसार 679 पदों पर सीधी भर्ती होना हैं । इसके लिए मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक (बैंड) के कुल 679 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह भर्ती विशेष रूप से पुरुष अभ्यर्थियों के लिए है। आवेदन प्रक्रिया 5 अप्रैल से शुरू होकर 19 अप्रैल 2026 तक जारी रहेगी।

इन स्थानों पर होंगे पुलिस बैंड कार्यक्रम

8 अप्रैल ङ्क बोट क्लब
10 अप्रैल ङ्क रॉयल मार्केट के पास
12 अप्रैल ङ्क शाहपुरा लेक
16 अप्रैल ङ्क रानी कमलापति रेलवे स्टेशन
18 अप्रैल ङ्क डीबी मॉल परिसर
19 अप्रैल ङ्क कमला पार्क

0 **बैतूल देशबन्धु।** कोठी बाजार स्थित अभिनंदन सरोवर के पीछे विस्थापित किए गए 85 दुकानदारों की समस्याएं एक वर्ष बाद भी जस की तस बनी हुई हैं। नगर पालिका द्वारा किए गए इस विस्थापन के बाद नए स्थान पर अब तक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकी हैं, जिससे व्यापारियों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क्रमाक -05, यांत्रिक विभाग
निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र.323/यां.वि./2026 भोपाल दिनांक 07.04.2026

निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु दो लिफाफा पध्दति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	आनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर	कार्य की अवधि
1	2025_ UAD_ 465495_4	Construction of C.C. Road Work at Raja Bhai Chai wali Gali and C.C. Road Pappu Bhai Wali Gali Noor Mahal Road and C.C Road Royal Convent School to Sanjivani Dairy and C.C. Road Chand Bhai Wali Gali in Ward No.09, Zone No.05	8,42,608/-	8,426/-	2,000/-	MPUADD ROADS AND BRIDGES ISSR 2021	01 माह
2.	2025_ UAD_ 464701_4	Construction of Drain and C.C. Road Work at Fizu Bhai House to Shafiq Bhai House and Rashsu Bhai Vakil Wale Gali Imami Gate and C.C. Road and Drin Thele Wali Road to Shabd Press Noor Mahal Road and Shanu Bhai House in Ward No.09, Zone No.05	8,46,359/-	8,464/-	2,000/-	MPUADD BUILDING AND ROADS AND BRIDGES ISSR 2021	01 माह
3.	2026_ UAD_ 486436_2	Construction of C.C. Road, and Repairing of Paver Block at Kuddus Khan Ka Hatha (Post Office Wali Gali) Shahjahanaba in Ward No.09, Zone No.05	3,40,929/-	3,409/-	2,000/-	MPUADD BUILDING AND ROADS AND BRIDGES ISSR 2021	01 माह

नियम व शर्ते 1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी निविदा के स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा ।

नि.क्र. 49/026/027

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्र.-05 नगर निगम भोपाल

भोपाल, गुरूवार 9 अप्रैल 2026
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी नाकामी

7 और 8 अप्रैल की आधी रात को जब भारत के लोग सो रहे थे, उस समय वैश्विक व्यवस्था में बदलाव की एक बड़ी करवट ली जा चुकी थी।28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के छेड़े गए युद्ध को अब अगले दो सप्ताह तक रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच सहमति बन गई है। खास बात यह है कि युद्धविराम का यह ऐलान उस समय हुआ जब ट्रंप की तरफ से दी गई समयबद्ध चेतावनी की सीमा खत्म होने में दो घंटे ही बचे थे। ईरान के समयानुसार बुधवार सुबह तीन बजे तक का वक्त डोनाल्ड ट्रंप ने दिया था कि ईरान उनकी बात मान ले, वर्ना वे ईरान के बिजलीघरों, पुलों और सड़कों पर भारी बमबारी करवाएंगे। ट्रंप ने सीधे-सीधे ईरान को तबाह करने की चेतावनी दी थी। ईरान के लोगों ने भी हिम्मत दिखाते हुए बिजलीघरों और पुलों के सामने मानवश्रृंखला बना ली थी कि वे ऐसे किसी भी बड़े हमले में कुर्बानी के लिए तैयार हैं, लेकिन समझौता करने के लिए नहीं। लेकिन 1 बजे के करीब युद्धविराम का ऐलान हो गया।

इस बड़ी घटना को कालानुक्रम में देखिए- 7 और 8 अप्रैल की रात 12:46 बजे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्रंप और ईरान से 2 हफ्ते के लिए युद्धविराम अनुरोध एक पोस्ट पर किया।

बुधवार सुबह 4:02 बजे ट्रंप ने पोस्ट किया कि - 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ बातचीत के बाद मैं आज रात ईरान पर हमला रोक रहा हूं। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को खोलने को तैयार हो गया है।

4:41 को ईरान के विदेश मंत्री ने पोस्ट किया कि- इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की ओर से, मैं क्षेत्र में युद्ध को समाप्त करने के अथक प्रयासों के लिए अपने प्रिय भाइयों महामहिम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ और महामहिम फील्ड मार्शल मुनीर के प्रति आभार और सराहना व्यक्त करता हूं। मैं ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की ओर से घोषणा करता हूं: यदि ईरान के खिलाफ हमले रोक दिए जाते हैं, तो हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं अपने रक्षात्मक अभियान बंद कर देंगी।

5:20 बजे शाहबाज शरीफ ने पोस्ट में लिखा अत्यंत विनम्रता के साथ, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि ईरान और अमेरिका तत्काल प्रभाव से युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। मैं इस बुद्धिमान पहल का हार्दिक स्वागत करता हूं और दोनों देशों के नेतृत्व के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। अब बातचीत के आधार पर एक निर्णायक समझौते के लिए शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को दोनों देश के प्रतिनिधिमंडलों को इस्लामाबाद में आमंत्रित करता हूं।

अब शुक्रवार को यह दो हफ्तों का युद्धविराम स्थायी युद्धविराम में बदलेगा या फिर नए सिरे से हमलों की शुरुआत होगी, फिलहाल कहा नहीं जा सकता। लेकिन अभी जो 15 दिनों की शांति की बात हुई है, उसमें भी दुनिया ने राहत की सांस ली है, क्योंकि इस जंग की तपिश में पूरी दुनिया झुलस रही थी। ईरान की तरफ से दिए गए 10 बिंदुओं के प्रस्ताव पर ही ट्रंप चर्चा के लिए तैयार हो गए हैं, यह भी ईरान के लिए बड़ी जीत के संकेत हैं। क्योंकि उसने अपने बड़े नेताओं को खोने के बावजूद आखिरी तक हथियार डालने से मना कर दिया। इस युद्धविराम प्रक्रिया में पाकिस्तान के साथ सऊदी अरब, तुर्किए और मिस्र भी लगे थे, लेकिन ईरान इन पर भरोसा नहीं कर पा रहा था। जिसके बाद चीन का आश्वासन आया और ईरान ने सहमति जताई। खुद ट्रंप ने कहा है कि चीन ने ईरान को बातचीत की मेज पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम को देखें तो समझ आता है कि जब दुनिया नयी व्यवस्था की तरफ बढ़ रही थी, भारत हिंदू-मुस्लिम के नशे में धुत्त था। ईरान पाकिस्तान को शुक्रिया कह रहा है, अमेरिका कह रहा है कि पाकिस्तान से चर्चा के बाद युद्ध रोका और पाकिस्तान ईरान और अमेरिका को धन्यवाद दे रहा है, इसमें कहीं भी भारत का नामोनिशान नहीं है, क्योंकि हमारी सरकार की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। नरेन्द्र मोदी को बिना कुछ किए विश्वगुरु बनने का शौक है। उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि नेहरू-इंदिरा को कोसेंगे तो मोदी का कद ऊंचा हो जाएगा। वैश्विक नेताओं से जबरन गले मिलेंगे, फिजूल हँसी-ठट्टा करेंगे तो दुनिया में रुतबा बढ़ेगा। लेकिन कोरी लफ्फाज़ी और काम करने में क्या अंतर है, अब नजर आ रहा है। इस युद्धविराम से अमेरिका के अकेले महाशक्ति होने के दावे को बड़ा झटका लगा है, और इससे पहले युद्ध के दौरान जिस तरह यूरोप के कई देशों ने अमेरिका की हरकतों पर सवाल उठाए, उससे भी जाहिर हुआ कि अब अमेरिका की हर बात में हां में हां मिलाने के दिन चले गए हैं। दुनिया के कई देश अब अमेरिका के पिछलग्गू होने की जगह उसे साझीदार की तरह देख रहे हैं। अब पाकिस्तान भी कह सकता है कि अमेरिका ने उसकी बात सुनी। लेकिन भारत में मोदी सरकार ऐसा नहीं कह पाएगी। क्योंकि मोदी अब भी ट्रंप और नेतन्याहू के सामने दबे दिख रहे हैं।

जिस पाकिस्तान को मनमोहन सिंह सरकार ने आतंकवादी देश के तौर पर स्थापित कर दिया था वह मोदी सरकार की अक्षम विदेश नीति के कारण अंतरराष्ट्रीय महत्व हासिल कर रहा है और यहां मोदी समर्थक यही बता रहे हैं कि इस युद्ध से हमारा लेना-देना ही नहीं था तो हम बीच में क्यों पड़ें। हालांकि इस युद्ध के कारण ही देश में ऊर्जा संकट आया, महंगाई बढ़ी तो इससे कैसे हमारा लेना-देना नहीं था। इससे पहले भी जब पाकिस्तान की मध्यस्थता की बात आई थी तो एस जयशंकर ने इसे दलाली जैसा निकृष्ट काम बताया था, लगे हाथ विदेश मंत्री यह भी बता दें कि जब ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने का दावा किया था, तो क्या ट्रंप ने तब दलाली की थी?

बहरहाल, अब अंतरराष्ट्रीय नक्शे में पाकिस्तान ने भारत से थोड़ी बढ़त बढ़ा ली है, ये हमारे लिए चिंता की बात होनी चाहिए और उसके साथ चीन का नाम भी युद्धविराम में आ रहा है, यह भी विचारणीय है। याद कीजिए कि राहुल गांधी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि मोदी सरकार की विफल नीति के कारण पाकिस्तान और चीन एक साथ आएंगे और यह भारत के लिए बड़ा खतरा बन जाएंगे। अब राहुल की बात फिर सही साबित हो रही है। एक बड़ा डर भारत के सामने खड़ा हो गया है कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को अब अंतरराष्ट्रीय पटल पर ले जाने की पुरजोर कोशिश करेगा। जबकि अब तक हमारी मजबूत नीति के कारण उसे इसमें सफलता नहीं मिली थी। लेकिन मोदी शायद इसे भी मुमकिन कर दिखाएं। उनके समर्थक अब गंभीरता से विचार करें कि क्या ऐसे ही दिनों के लिए इन्हें सत्ता सौंपी थी?

ईरान का अद्भूत जज्बा दुनिया के लिए मिसाल

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

टाइटैनिक फिल्म का एक अद्भुत दृश्य है, जब जहाज टुकड़े-टुकड़े होकर डूबता है, अमीरों में आपाधापी मची रहती है कि बचाने वाली नावों पर वे किसी भी तरह सवार हो जाएं, नीचे गरीबों के निकलने के रास्ते पर दरवाजा बंद करके ताला लगा दिया जाता है, क्योंकि उनकी जान की कीमत नहीं समझी जाती, पूरे जहाज में चीख-पुकार मची रहती है और इस बीच संगीतकारों के दल के सदस्य अपने वाद्य लेकर जाते-जाते ठहरते हैं और एक आखिरी बार अपने संगीत की प्रस्तुति देते हैं। मौत के बीच वे जिंदगी, जिंदादिली और जिजीविषा की अद्भुत संगीत रचना पेश करते हैं।

बीते दिनों ईरान के सुप्रसिद्ध संगीतकार अली ग़मसारी जब इसी तरह तेहरान में दमावंद बिजली संयंत्र के सामने पहुंचे और उन्हें देखकर कई और कलाकार भी इसी तरह अपने वाद्ययंत्रों के साथ प्रस्तुति देने बाहर आए, तो टाइटैनिक के उस दृश्य की ही याद आ गई। ग़मसारी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर देखे जा सकते हैं, उन्होंने तेहरान के दमावंद बिजली संयंत्र में अपने वाद्य यंत्रों के साथ पहुंचकर बम के धमाके के जवाब के लिए संगीत के सुरों को चुना। बिजली संयंत्र के सामने दरी बिछाकर अपने वाद्य 'तार' के साथ ग़मसारी बैठे और दो दिनों तक बजाते रहे। उनके इस फैसले के पीछे डोनाल्ड ट्रंप की वह धमकी थी, जिसमें वे ईरान की पूरी सभ्यता को खत्म करने का ऐलान कर रहे थे।

गौरतलब है कि 28 फरवरी के बाद ट्रंप ने कई बार ईरान को कई तरह की धमकियां दीं, लेकिन बीते दिनों उनकी दो धमकियां चर्चा में रहीं। पहले तो उन्होंने ईरान की सैन्य ताकत खत्म करने के दावे के साथ ईरान को पाषाण युग में वापस भेजने की धमकी दी, इसके बाद एक और धमकी देकर मंगलवार रात आठ बजे तक का वक्त दिया कि इसके बाद वे ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों और सड़कों पर ऐसे हमले करेंगे जिससे एक पूरी सभ्यता नष्ट हो जाएगी। ईरान को धमकाने के लिए ट्रंप ने अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया, जिसने उनका असली चेहरा दुनिया के सामने खोल कर रख दिया। हालांकि जो लोग ईरान को एक पिछड़ा, अशिक्षित, दकियानूसी, कट्टरपंथी, धर्मान्ध देश मानने की भूल करते थे, क्योंकि अमेरिका ने उनके सामने ईरान की ऐसी ही तस्वीर पेश की थी। उन्हें भी नजर आ गया कि असल में ईरान क्या है। अली ग़मसारी जैसे सैकड़ों-हजारों-लाखों-करोड़ों लोगों ने दुनिया को ईरान के एक ऐसे जुझारू पक्ष को दिखा दिया, जो आज के वक्त में दुर्लभ गुण हो चुका है। प्रसंगवश बता दूं कि युद्ध में अपने देश की सेवा के लिए दुनिया भर से ईरानी जनता वतन वापस लौट गई। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, चीन जैसे तमाम विकसित देशों में आराम का जीवन बिताने का मौका इन अप्रवासी ईरानियों के पास था, लेकिन अपनी सुरक्षा और आराम से पहले इनके लिए देश की रक्षा है, जिसकी खातिर वे लौट आए। जबकि अमूमन यही होता है कि जब किसी देश पर हमला हो या किसी किस्म का संकट आए, तो बाहर बैठे उसके नागरिक खैर मनाते हैं कि अच्छा है हम वहां नहीं हैं। भारत के भी लाखों लोग विदेशों में बसे हैं, जिनके लिए देशप्रेम का मतलब विदेशी धरती पर अपने त्योहार मनाना, अपने सनातनी संस्कारों को पेश करना ही है। भारत वापस आकर ये कभी यहां के प्रदूषण पर नाक-भौं सिकोड़ेंगे, तो कभी यातायात व्यवस्था की हंसी उड़ाएंगे या फिर विदेश में बैठकर देश के लोगों को देशभक्ति का ज्ञान देंगे। ऐसे में ईरान के लोगों का जज़्बा किसी अजूबे से कम नहीं है।

> बहरहाल बात ईरान के लोगों की हिम्मत और अनूठी रचनात्मकता की हो रही है। संगीतकार अली ग़मसारी ने दमावंद बिजली संयंत्र के सामने बैठकर संगीत के तार छेड़े, ताकि ईरान की अधोसंरचना पर होने वाले हमलों को रोकने में मदद मिल सके। वहीं ईरान के प्रसिद्ध गायक अली ज़ंदवाकिली ने बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए रेलवे लाइन के किनारे गीत गाए। इधर ईरान के शरीफ विश्वविद्यालय को अमेरिका ने मिसाइल से तबाह किया।

बहरहाल बात ईरान के लोगों की हिम्मत और अनूठी रचनात्मकता की हो रही है। संगीतकार अली ग़मसारी ने दमावंद बिजली संयंत्र के सामने बैठकर संगीत के तार छेड़े, ताकि ईरान की अधोसंरचना पर होने वाले हमलों को रोकने में मदद मिल सके। वहीं ईरान के प्रसिद्ध गायक अली ज़ंदवाकिली ने बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए रेलवे लाइन के किनारे गीत गाए। इधर ईरान के शरीफ विश्वविद्यालय को अमेरिका ने मिसाइल से तबाह किया तो अगले ही दिन गणित के एक प्रोफेसर ने राख और मलबे के बीच बैठकर ही ऑनलाइन क्लास ली, जबकि एक और प्रोफेसर डॉ. मसूद शादनाम ने कहा कि ये हमले ईरान में वैज्ञानिक प्रगति को प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि इमारतें दोबारा बनाई जा सकती हैं, लेकिन बुद्धि को निशाने पर नहीं लिया जा सकता और विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिभाशाली लोग यहीं रहते हैं। अमेरिका की ईरान को पूरी तरह तबाह करने की धमकी के बीच युवा और खेल मामलों के उपमंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक चैनल पर आकर अपने देशवासियों से अपील की कि हम मानवश्रृंखला बनाकर इन धमकियों का जवाब दें, उन्होंने कहा कि, 'बिजली संयंत्र जो हमारी राष्ट्रीय संपत्ति और पूंजी हैं, चाहे किसी भी पसंद या राजनीतिक नजरिए से देखें, वे ईरान और ईरानी युवाओं के भविष्य के हैं। हम सब हाथों में हाथ डालकर यह कहेंगे कि सार्वजनिक ढांचे पर हमला करना युद्ध अपराध है।' मंत्री की इस अपील पर देश के युवा, छात्र, खिलाड़ी, कलाकार, शिक्षक सब हाथों में हाथ डालकर मानवश्रृंखला बनाकर खड़े हो गए।

हम होंगे कामयाब की पंक्तियां याद आ गईं- हम चलेंगे साथ-साथ, डाल हाथों में हाथ, हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन, मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक दिन। ईरान वाकई ऐसे ही कामयाबी की राह पर आगे बढ़ा। तभी तो ट्रंप को सभ्यता खत्म करने की धमकी के बाद यह कहने पर मजबूर होना पड़ा कि हम दो हफ्ते के युद्धविराम के लिए तैयार हैं, हम आगे चर्चा के लिए तैयार हैं, हम ईरान में पुनर्निर्माण के लिए मुआवजा देंगे। दरअसल ईरान को यह कामयाबी, यह नायकत्व अपने नेतृत्व और जनता की अटूट देशभक्ति के जज्बे से हासिल हुआ है। मंगलवार को जब सब कुछ खत्म करने की चेतावनी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी, तो उसके जवाब में उनके समकक्ष ईरान के राष्ट्रपति डॉ.मसूद पेजेशिकयान ने कहा था कि 1.4 करोड़ से अधिक ईरानी लोगों ने देश रक्षा में शहादत के लिए तैयार रहने का इरादा जताया है। मैं भी ईरान के लिए अपनी जान देने के लिए पहले भी तैयार था, अब भी हूं और आगे भी रहूंगा। अब दुनिया देख रही है कि जिस देश का राष्ट्रपति खुद कहे कि मैं शहीद होने के लिए तैयार हूं, और जिस देश के सर्वोच्च नेता ने पहले अपनी शहादत दे दी, क्या उस ईरान को अमेरिका और इजरायल कभी हरा पाएंगे।

याद रहे कि दिवंगत अयातुल्लाह अली खामेनेई के पास मौका था कि वे युद्ध शुरु होते ही किसी बंकर में जाकर रहते ताकि उनकी जान बचे और वे अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। उनके सलाहकारों ने उनसे यही गुजारिश भी की थी। खामेनेई के करीबी रहे अब्दुल माजिद हकीम इलाही ने बताया था कि खामेनेई ने अपने सुरक्षा अधिकारियों से कहा कि अगर वे ईरान के 9 करोड़ लोगों के लिए सुरक्षित शेल्टर का इंतजाम कर सकते हैं, तभी वे अपना घर छोड़कर कहीं और जाएंगे। उनके साथ उनके परिवार वालों ने भी किसी खास सुरक्षा प्रावधान से इंकार कर दिया और 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले में इन सभी ने अपनी शहादत दी। खामेनेई का कहना था कि एक नेता को हमेशा अपनी जनता और गरीबों के बराबर ही रहना चाहिए। अगर कोई नेता अपने लिए अलग और खास जीवन जीने लगे, तो वह देश का नेतृत्व करने के लायक नहीं रहता।

अयातुल्लाह अली खामेनेई के बाद सुरक्षा परिषद के प्रमुख अली लारीजानी भी इसी तरह हमले में मारे गए। और जब तक वे जिंदा थे, उन्हें कई बार ईरान की सड़कों पर आम जनता के साथ, आम जनता के बीच देखे गये। अब राष्ट्रपति डॉ.पेजेशिकयान ने भी शहादत का यही जज्बा दिखाया है। डोनाल्ड ट्रंप से पूछा जाना चाहिए कि क्या असभ्य, खतरनाक और आतंक फैलाने वाले लोग ऐसे होते हैं, क्योंकि ईरान को वे दुनिया की सबसे खतरनाक कौम कहते हैं। ईरान ने साहस और देशभक्ति की नयी मिसाल ही नहीं पेश की, बल्कि इंसानियत और भाईचारा भी दिखाया है। ईरान के दुनिया भर में बने दूतावासों से रोजाना ही ट्रंप और इस युद्ध को लेकर पोस्ट हो रहे हैं, जिनमें कभी तंज होते हैं, कभी मार्मिक संदेश होते हैं। किसी पोस्ट में मीनाब शहर की मृत बच्चियों के साथ जेफ्री एपस्टीन के द्वीपों में यौनशोषण का शिकार बच्चियों को ईरान एक साथ रखकर ट्रंप और नेतन्याहू को उनका दोषी करार दे रहा है, तो किसी में दिवंगत खामेनेई के साथ स्वर्ग में इन बच्चियों को दिखा रहा है। कहीं ट्रंप की पाषाण युग में भेजने वाली धमकी पर उलाहना है। लेकिन इन सबके साथ अमेरिकी जनता को कई बार ये संदेश ईरान ने दिया है कि हमारी दुश्मनी आपसे नहीं है, हम आपका नुकसान नहीं चाहते, लेकिन ट्रंप और नेतन्याहू आपके जीवन को खतरे में डाल रहे हैं।

युद्ध में दुश्मन देश की जनता के लिए भी चिंता होना क्या पाषाण युग के लक्षण हैं या इंसानियत दिखाने की पराकाष्ठा है, ये दुनिया को तय करना है।

न्यायपालिका में ए. आई. के उपयोग की संभावनाएं

सर्वप्रथम मैं ख्याति प्राप्त कवि एवं चिंतक डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन' की पंक्तियों से अपनी बात प्रारंभ करना चाहूंगा—

क्या हार में क्या जीत में,
किंचित नहीं भयभीत मैं,
संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी
सही वह भी सही,
वरदान मांगूंगा नहीं।

विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए. आई.) अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उसके न्यायपालिका में उपयोग से संबंधित है, जो जितना आधुनिक है उतना ही महत्वपूर्ण भी है। इसलिए इसके मूल स्वरूप को संक्षेप में समझना आवश्यक है, ताकि आगे हम न्यायपालिका में इसके प्रयोग को बेहतर ढंग से समझ सकें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए. आई.) का विकास अनेक वैज्ञानिकों के योगदान से हुआ। समय के साथ यह तकनीक मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग के रूप में विकसित होकर ऐसी स्थिति में पहुंच गई है, जहां यह डाटा, एल्गोरिदम और कंप्यूटिंग शक्ति के आधार पर स्वयं सीखकर निर्णय लेने में सक्षम हो गई है। सरल शब्दों में कहें तो ए.आई. मनुष्य के व्यवहार को समझकर कार्य करने वाली एक बुद्धिमान प्रणाली है, जो जटिल समस्याओं का समाधान तेजी और सटीकता के साथ कर सकती है।

ज. अनिल कुमार शुक्ला

> भारत के संदर्भ में अभी कई चुनौतियां विद्यमान हैं, जिनमें न्यायिक प्रक्रियाओं में औपचारिक ढांचे का अभाव, अत्यधिक निर्भरता का जोखिम और ए.आई.के प्रशिक्षण की कमी प्रमुख हैं। यदि सावधानीपूर्वक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग न्यायालयीन कार्यों में किया जाए, विशेषकर उन मामलों में जो डाटा आधारित हैं, जैसे संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स से संबंधित प्रकरण।

<>आज चिकित्सा के क्षेत्र में इसके माध्यम से रोगों की पहचान अधिक सटीक हो रही है और भविष्य में संभावित बीमारियों का अनुमान भी लगाया जा रहा है, वहीं मौसम विज्ञान में यह पूर्वानुमान देने में सक्षम है कि कब और कितनी वर्षा होगी, जिससे किसान अपनी फसलों की योजना पहले से बना लेते हैं और आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन के माध्यम से कृषि कार्य अधिक प्रभावी हो गए हैं।

इसी प्रकार कंप्यूटर विज़न और रोबोटिक्स के माध्यम से उद्योगों में उत्पादन क्षमता बढ़ी है और एक जैसे कार्य कम समय में अधिक दक्षता से संपन्न हो रहे हैं, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में भी ए.आई. ने जानकारी को त्वरित और संक्षिप्त रूप में उपलब्ध कराकर कार्यों को सरल बना दिया है। वित्तीय क्षेत्र में यह धोखाधड़ी की पहचान करने और बाजार के रुझानों का विश्लेषण करने में सहायक है, वहीं अंतरिक्ष विज्ञान और रक्षा क्षेत्र में भी इसकी भूमिका निरंतर बढ़ रही है, जिससे स्पष्ट है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध हो रहा है, और इसी व्यापक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए अब यह आवश्यक हो जाता है कि हम न्यायपालिका जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इसके संभावित उपयोग पर विचार करें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसकी सेल्फ लर्निंग क्षमता है, किंतु इसके लिए सही और प्रमाणिक डाटा अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण डाटा से प्राप्त परिणाम भी गलत हो सकते हैं। इसके साथ ही इसके उपयोग से समय की बचत और कार्यों में सटीकता तो आती है, परंतु डाटा की गोपनीयता, रोजगार पर प्रभाव और साइबर अपराध जैसी चुनौतियां भी सामने आती हैं। जैसे फर्जी प्रोफाइल बनाना, छवि का दुरुपयोग करना या भ्रामक जानकारी फैलाना। इसके अतिरिक्त यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि यदि ए.आई.के माध्यम से किसी व्यक्ति के बारे में आपत्तिजनक सामग्री प्रस्तुत होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? यह भविष्य का एक गंभीर विधिक प्रश्न है। इसलिए यह आवश्यक है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पूरी सावधानी और नैतिकता के साथ किया जाए, क्योंकि यह मानव जीवन को सरल बनाने का एक प्रभावी साधन तो है, किंतु मानव की भावनाओं और नैतिक मूल्यों का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकता।

इन्हीं आधारों को ध्यान में रखते हुए हम न्यायपालिका में इसके उपयोग की संभावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे। सर्वप्रथम कानूनी शोध के क्षेत्र में यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है, जहां न्यायाधीश, अधिवक्ता और शोधार्थी इसके माध्यम से त्वरित रूप से आवश्यक सामग्री प्राप्त कर रहे हैं।

पहले जहां किसी केस में लॉ (कानून) को खोजने के लिए अनेक पुस्तकों का अध्ययन करना पड़ता था, वहीं अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से वह कार्य तुरंत संभव हो गया है। इसके अतिरिक्त केस मैनेजमेंट और न्यायालयीन प्रक्रिया के प्रबंधन में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। न्यायालयों में अनुवाद और लिप्यांतरण के कार्य में भी ए.आई.सहायक बन रहा है। उच्चतम न्यायालय में इस प्रकार के प्रयोग प्रारंभ हो चुके हैं, जहां विभिन्न भाषाओं में दिए गए निर्णयों और दस्तावेजों का त्वरित अनुवाद संभव हो रहा है, जिससे कार्य की दक्षता बढ़ती है, सटीकता में सुधार होता है और त्रुटियों की पहचान करना भी सरल हो जाता है। साथ ही मैनुअल कार्य में कमी आने से समय और खर्च दोनों की बचत होती है। किन्तु इसके साथ यह संभावना भी बनी रहती है कि यदि डाटा त्रुटिपूर्ण है तो उसके आधार पर अनुचित परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अतिरिक्त ए.आई. आधारित निर्णयों में पारदर्शिता और स्पष्टीकरण का अभाव भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, तथा अत्यधिक निर्भरता से मानवीय संवेदनाओं और न्यायाधीश के अनुभव पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया में केवल साक्ष्य ही नहीं बल्कि गवाह की भाव-भंगिमा, व्यवहार और आचरण भी कई बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यदि समस्त सूचनाएं डाटा के रूप में संरक्षित होती हैं तो गोपनीयता का जोखिम भी बना रहता है। अत: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के लिए आवश्यक सावधानियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके लिए ए.आई.गवर्नेंस फ्रेमवर्क विकसित किया जाना चाहिए तथा न्यायालयों में इसके उपयोग के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश निर्धारित होने चाहिए। निष्पक्षता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र ऑडिट की व्यवस्था आवश्यक है और गोपनीयता की सुरक्षा को भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, साथ ही कानूनी शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

भारत के संदर्भ में अभी कई चुनौतियां विद्यमान हैं, जिनमें न्यायिक प्रक्रियाओं में औपचारिक ढांचे का अभाव, अत्यधिक निर्भरता का जोखिम और ए.आई.के प्रशिक्षण की कमी प्रमुख हैं। यदि सावधानीपूर्वक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग न्यायालयीन कार्यों में किया जाए, विशेषकर उन मामलों में जो डाटा आधारित हैं, जैसे संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स से संबंधित प्रकरण, तो इनका त्वरित निपटारा संभव हो सकता है, जिससे न्यायालय का समय बचेगा और जटिल तथा गंभीर मामलों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा, क्योंकि वर्तमान में निचली अदालतों से लेकर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक सभी स्तरों पर लंबित प्रकरणों का दबाव बना हुआ है।

न्यायाधीशों की संख्या की अपेक्षा उनके समक्ष लंबित मामलों की संख्या अत्यधिक है और उनके त्वरित निराकरण के लिए वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अतिरिक्त कोई प्रभावी विकल्प स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। इस संदर्भ में कुछ प्रकरण भी उल्लेखनीय हैं, जिनसे यह स्पष्ट होता है कि न्यायालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सहायक उपकरण के रूप में प्रारंभ हो चुका है। उदाहरण स्वरूप एक मामले में, जिसमें एक कर्मचारी को सेवा से पृथक किया गया था और उसे पर्याप्त कारणों की जानकारी नहीं दी गई थी, न्यायालय ने उपलब्ध तथ्यों और तकनीकी साधनों की सहायता से मामले का परीक्षण करते हुए प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को प्राथमिकता दी।

इसी प्रकार वर्ष 2023 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति अनूप चितकारा द्वारा निर्णय प्रक्रिया के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरण का संदर्भ लिया गया, जिसने इस दिशा में एक नई संभावनाओं को संकेत दिया। भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी न्यायपालिका द्वारा ए.आई. के उपयोग की दिशा में प्रयास बढ़ रहे हैं, जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका में कुछ प्रकरणों में ए.आई.आधारित अनुसंधान उपकरणों का उपयोग देखा गया है, वहीं यूनाइटेड किंगडम में न्यायालयों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे इसके व्यवस्थित और जिम्मेदार उपयोग की रूपरेखा स्पष्ट होती है।

चीन सहित कुछ अन्य देशों में भी न्यायालयीन प्रक्रियाओं को अधिक दक्ष और त्वरित बनाने के लिए तकनीकी साधनों, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, का प्रयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इन सभी उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(ए. आई.) न्यायपालिका में निर्णय का विकल्प नहीं, बल्कि एक सहायक साधन के रूप में उभर रहा है, जो न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने में योगदान दे सकता है। मैं यह आशा और विश्वास व्यक्त करता हूं कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न्यायपालिका की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़, त्वरित एवं न्यायसंगत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(उज्जैन में आयोजित तेइसवीं अखिल भारतीय सद्भावना व्याख्यानमाला में 21 नवम्बर 2025 को 'ए. आई. युग में सामाजिक सरोकार एवं न्याय के उपादान' विषय पर प्रमुख वक्ता के रूप में वीडियो कॉन्फ्रेंस में लेखक द्वारा दिए गए भाषण पर आधारित आलेख)

ललित सुरजन की कलम से

जोसेफ ब्रूचाक

(अमेरिकन मूलनिवासी कवि)

हम देख रहे हैं
पंचायत घर की खिडकियों से,
जहाँ हमारी दादियों ने
समझ और धीरज के साथ
चुना उन नेताओं को
जिन्हें जनता ने चाहा, विश्वास किया,
और आगे बढ़ाया,
जहाँ आकाश को प्रकंपित करते हुए
डैने फडफ़ड़ाकर चीलों ने
संगीत दिया
शांति के गीतों को,
बच्चों की, बड़ों की और
आने वाली पीढियों को
स्वस्ति के लिए,

हम देख रहे है
उस ठिकाने से, जहाँ दफन किए गए
बंधुद्रोही लड़ाईयों के हथियार और
जहाँ अब खड़ा है
गगनचुंबी वृक्ष देवदार का,
और उस पर बैठी चील
नीचे देखती हुई

अंग्रेजी से रुपांतर:ललित सुरजन

https://lalitsurjan.blogspot.com/2020/07/blog-post_15.html

पावन प्रसंग

जीवन विकास में पुस्तकों का महत्व

मानव जीवन के विकास में ज्ञान का स्थान सर्वोपरि है और इस ज्ञान की प्राप्ति का सबसे सशक्त माध्यम पुस्तकें हैं। स्वाध्याय और पुस्तकें एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार अन्न और जल जीवन के लिए आवश्यक हैं, उसी प्रकार पुस्तकें बौद्धिक और आत्मिक विकास के लिए अनिवार्य हैं। पुस्तकें केवल कागज और अक्षरों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि उनमें महान विचारकों, संतों और महापुरुषों के अनुभव, चिंतन और जीवन का सार समाहित होता है। वे मनुष्य को दिशा देती हैं, उसे अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती हैं।

पुस्तकों की विशेषता यह है कि वे निर्जीव होते हुए भी जीवंत प्रतीत होती हैं। उनमें लेखक की आत्मा बसती है। जब कोई व्यक्ति पुस्तक खोलता है तो उसे ऐसा अनुभव होता है मानो महान व्यक्तित्व उसके सामने उपस्थित होकर उससे संवाद कर रहे हों। इस प्रकार पुस्तकें केवल ज्ञान का संग्रह नहीं बल्कि जीवंत संवाद का माध्यम बन जाती हैं। यही कारण है कि उन्हें ज्ञानियों की समाधि कहा गया है, जहां उनके विचार सुरक्षित रहते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी मानवता का मार्गदर्शन करते हैं।

पुस्तकों का प्रभाव दो प्रकार का होता है। वे अमृत भी बन सकती हैं और विष भी। अच्छी पुस्तकें मनुष्य को सत्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं, उसके विचारों को शुद्ध करती हैं और उसके चरित्र का निर्माण करती हैं। वे सच्चे मित्र की भांति उसका मार्गदर्शन करती हैं और जीवन की कठिनाइयों में उसे सही दिशा दिखाती हैं। इसके विपरीत, निम्न स्तर की या गलत विचारों वाली पुस्तकें मनुष्य को भ्रमित कर सकती हैं और उसे गलत रास्ते पर ले जा सकती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति विवेकपूर्वक पुस्तकों का चयन करे और सद्ग्रंथों का अध्ययन करे।

पुस्तकों का महत्व इस बात से भी स्पष्ट होता है कि वे अमर होती हैं। मनुष्य का शरीर नश्वर है, लेकिन उसके विचार और कृतियां पुस्तकों के माध्यम से सदैव जीवित रहती हैं। प्राचीन ग्रंथ जैसे गीता, रामायण, महाभारत और अन्य धार्मिक व नैतिक साहित्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने अपने समय में थे। इन ग्रंथों ने न केवल अपने युग को प्रभावित किया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा प्रदान की है। यही कारण है कि पुस्तकें लेखक के अमरत्व का प्रतीक मानी जाती हैं।

इतिहास में पुस्तकों के निर्माण और संरक्षण के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। प्राचीन काल में ज्ञान को सुनकर याद रखने की परंपरा थी, जिसे श्रुति कहा जाता था। बाद में जब यह अनुभव हुआ कि स्मृति पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, तब ज्ञान को लिखित रूप देने की आवश्यकता महसूस हुई। प्रारंभ में ताड़पत्र, भोजपत्र और चमड़े पर लेखन किया जाता था। यह प्रक्रिया अत्यंत कठिन और श्रमसाध्य थी। एक पुस्तक तैयार करने में वर्षों लग जाते थे और उसकी प्रतियां बनाना भी अत्यंत कठिन कार्य था। इसके बावजूद ज्ञान के संरक्षण के लिए विद्वानों और राजाओं ने अथक प्रयास किए।

-कांतिलाल मांडोत

सार-समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियानः किए जा रहे हैं जल संरक्षण के कार्य

रायसेन, देशबन्धु। जिले में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बुधवार को बेगमगंज जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कोकलपुर में प्राचीन तालाब की पाल की मरम्मत का कार्य जनभागीदारी से शुरू किया गया। इस अवसर पर एसडीएम श्री सौरभ मिश्रा ने ग्रामीणजनों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए बारिश के अधिक से अधिक जल को संग्रहित करने और जल के अपव्यय को रोकने की समझाईश दी। साथ ही जल संचय की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

उन्नत कृषि महोत्सव को लेकर कृषक संगोष्ठी आयोजित

सिलवानी, देशबन्धु। विकासखण्ड सिलवानी में उन्नत कृषि महोत्सव, प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के तहत ग्राम उषापुर, ग्राम पंचायत रामपुरा कला में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिलवानी द्वारा की गई। संगोष्ठी में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने किसानों को टिकाऊ खेती अपनाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए नई पद्धतियों के उपयोग पर जोर दिया। इस अवसर पर रघुवीर सिंह कुशवाह, कृषि विस्तार अधिकारी पीयूष ठाकुर, सुजीत धाकड़ तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सिलवानी सहित अन्य कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसानों ने भाग लेकर कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। उल्लेखनीय है कि आगामी 11 से 13 अप्रैल तक दशहरा मैदान रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसानों को नई तकनीकों, योजनाओं एवं कृषि उपकरणों की जानकारी प्रदान की जाएगी।

पंचायत में हुई जल सुनवाई

रायसेन, देशबन्धु। जल जीवन मिशन के अंतर्गत उदयपुरा में संचालित ग्रामीण समूह पेयजल योजना के तहत मप्र जल निगम मर्यादित परियोजना क्रियान्वयन इकाई भोपाल द्वारा ग्राम पंचायत सतेहरी में पेयजल संबंधी समस्याओं के निवारण हेतु जल सुनवाई का आयोजन किया गया। इस जल सुनवाई में ग्राम पंचायत के सरपंच सौरभ शर्मा, सक्यूसी से विभूति तिवारी मैनेजर कम्युनिटी मोबिलाइजर, ललित भार्गव असिस्टेंट इंजीनियर अंकित श्रीवास्तव असिस्टेंट मैनेजर तथा प्रशांत सेठी प्रोजेक्ट मैनेजर एलएंडटी कंस्ट्रक्शन उपस्थित रहे। जल सुनवाई के दौरान कुल 7 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें नवीन नल कनेक्शन से संबंधित 3 आवेदन, लो प्रेशर से संबंधित 3 एवं वाल्व शिफ्टिंग से संबंधित 1 आवेदन प्राप्त हुए।

गड्ढे में डूबकर मासूम की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के बागेश्वर धाम क्षेत्र में बुधवार को 6 वर्षीय एक मासूम की गंदे पानी से भरे खुले गड्ढे में गिरने से डूबकर मौत हो गई है। मृतक की पहचान रेवाड़ी; हरियाणा निवासी प्रवीण कुमार के पुत्र दिव्यांश शर्मा 6 वर्ष के रुप में की गई है। जानकारी के अनुसार, दिव्यांश का परिवार बच्चे के बीमार होने पर उसे लेकर बागेश्वर धाम आया था। बुधवार को दोपहर खेलते समय वह पास के एक ढाबे के पीछे बने गंदे पानी के गड्ढे में गिर गया। कुछ देर तक जब बच्चा दिखाई नहीं दिया, तो परिजन ने तलाश शुरू की। ढाबे के पीछे बने गड्ढे में बच्चे का शव मिला।

भाजपा का 2 दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान शिविर शुरू

हर कार्यकर्ता को सकारात्मक बदलाव लाना होगा : जामवाल

सिलवानी, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत सिलवानी, कस्बा बम्होरी एवं प्रतापगढ़ मंडलों का संयुक्त दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर बुधवार को सिलवानी में प्रारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है।

शिविर के प्रथम दिन चार सत्रों का आयोजन किया गया।उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि अजय जामवाल मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने भाजपा के इतिहास एवं विकास को दर्शाती प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके पश्चात श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत ने स्वागत भाषण देते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया और प्रशिक्षण शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में अजय जामवाल ने पांच परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया। उन्होंने कहा कि भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होगा। प्रथम दिन के अन्य सत्रों में राजो मालवीय, डॉ. दिपेंद्र सिंह पाल, पवन दुबे तथा राकेश तोमर ने अपने-अपने विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में भोपाल भाजपा संभाग के प्रभारी एवं नगदा विधानसभा के विधायक तेज बहादुर सिंह भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष दीपक रघुवंशी, जिला मंत्री संदीप शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम, नगर परिषद अध्यक्ष रेशु विभोर नायक, कस्बा बम्होरी मंडल अध्यक्ष हरनाम सिंह लोधी, प्रतापगढ़ मंडल अध्यक्ष पप्पू ठाकुर, भाजपा नेता विभोर नायक सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यशाला में जल आपूर्ति योजना के संचालन पर की चर्चा

सांची, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जल निगम परियोजना क्रियान्वयन इकाई भोपाल अंतर्गत बारना डेम समूह जल प्रदाय योजना के तहत जनपद पंचायत सांची में क्लस्टर स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सहायक संस्था हेल्प रेज होल्डिंग हैंड्स टू हेल्प द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों की सहभागिता रही। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी शंकर नामदेव पांसे एवं एपीओ प्रवीण त्रिपाठी उपस्थित रहे। इसके साथ ही बीपीओ अजय असईया, एनआरएलएम ब्लॉक प्रबंधक विद्याभूषण पांडे, स्वच्छ भारत मिशन से रंजना भारत, एसक्यूसी/एएमसीएम रुचि सक्सेना एवं सुश्री माधवी रैकवार, तकनीकी विभाग से एई शिवम श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मानपुर क्लस्टर की ग्राम पंचायतों से सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता आदि की सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यशाला में जल आपूर्ति योजना के संचालन, रखरखाव एवं संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर इसकी निगरानी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि जब तक योजनाओं में जनभागीदारी नहीं होगी, तब तक उनका पूर्ण लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच सकता। इस पहल से न केवल पेयजल की उपलब्धता बेहतर होगी, बल्कि योजनाओं की दीर्घकालीन सफलता भी सुनिश्चित होगी। सांची क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में जल संकट के समाधान की दिशा में यह कार्यशाला एक मजबूत आधार साबित हो सकती है। भविष्य में इस तरह के आयोजनों से जल जीवन मिशन को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मंडी में औचक निरीक्षण, किसानों के भुगतान में देरी न करने के निर्देश

सिलवानी, देशबन्धु। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भारसाधक अधिकारी, मंडी समिति द्वारा बुधवार को कृषि उपज मंडी का औचक निरीक्षण कर मंडी प्रांगण में संचालित व्यापारियों के इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की जांच की गई । निरीक्षण के दौरान घोष विक्रय (नीलामी) व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने व्यापार संघ के अध्यक्ष एवं अन्य व्यापारियों के साथ बैठक कर किसानों द्वारा बेची गई उपज का भुगतान निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को उनकी उपज का मूल्य समय पर मिलना प्राथमिकता है। मंडी में किसानों तथा हम्माल/तुलावटियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही, शिकायत निवारण को प्रभावी बनाने के लिए मंडी सचिव एवं नोडल अधिकारी के मोबाइल नंबर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने व्यापारियों को यह भी निर्देशित किया कि किसानों के भुगतान से काटी गई हम्माली की पूरी राशि संबंधित हम्मालों और तुलावटियों को समय पर दी जाए। निरीक्षण के दौरान मंडी व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने और किसानों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

फोरलेन पर चलती कार में लगी आग, जलकर खाक

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के समीप ब्रजपुरा फोरलेन मार्ग पर छतरपुर की ओर आ रही एक डस्टर कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग इतनी विकराल हो गई, कि कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी आग की लपटों में घिरकर जलकर खाक हो गई।

घटना के दौरान हाइवे पर अफरा तफरी मच गई, आसपास से गुजर रहे लोगों ने तत्काल वाहन रोककर हालत संभालने का प्रयास किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डस्टर कार ब्रजपुरा फोरलेन से छतरपुर की ओर आ रही थी, तभी अचानक वाहन के इंजन से धुआं उठने लगा। चालक ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा किया और बाहर निकल गया। कुछ ही क्षणों में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते कार धू-धू कर जलने लगी और कुछ ही देर में पूरी तरह खाक हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, जब तक आग बुझाई जाती, तब तक गाड़ी पूरी तरह जल चुकी थी और उसमें रखा सारा सामान भी नष्ट हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

अवैध गतिविधियों पर बम्होरी पुलिस की सख्त कार्रवाई, जिला बदर की कार्रवाई शुरू

सिलवानी, देशबन्धु। थाना बम्होरी क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए लगातार कार्रवाई जारी रखी है। पूर्व में अवैध शराब बेचने वालों पर कठोर कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजा गया था। इसी क्रम में पुलिस ने पुनः कस्बे एवं आसपास के गांवों में सक्रिय असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस द्वारा कस्बे में सट्टा खेलने वाले सुंदर, ओमप्रकाश, रिंकू एवं अतुल तथा गांवों में अवैध शराब बेचने वाले सूरज, बटन, प्रह्लाद, ब्रजेश, परसराम, मथुरा एवं मोहन के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई प्रस्तावित कर कलेक्टर कार्यालय में प्रकरण प्रस्तुत किए गए हैं। इसके साथ ही पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट के तहत दो प्रकरण दर्ज किए गए हैं। वहीं आरोपियों साबिर खान, धर्मेंद्र लोधी, जालम सिंह एवं मदन लोधी के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

वृद्धजनों को प्रदेश में धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराएगा सामाजिक न्याय विभाग

मंत्री कुशवाह ने दिए समाज कल्याण संस्थानों के आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण विभाग मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि समाज कल्याण के क्षेत्र में संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे किया जाए। इसमें मैदानी अमले के अनुभव को सुझावों के रूप सम्मिलित करने के लिए 16 अप्रैल को चिंतन शिविर का आयोजन भोपाल में किया जायेगा। सामाजिक न्याय विभाग, वृद्धजन को प्रदेश के धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगा। इसका तिथिवार कार्यक्रम बनाया जाए। यह निर्देश मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। मंत्री श्री कुशवाहा ने प्रदेश में वृद्धजन, दिव्यांगजन, नशा मुक्ति के क्षेत्र में संचालित संस्थाओं की कार्यप्रणाली की जांच तथा विभागीय गतिविधियों में कसावट लाने के लिए संभाग स्तर पर बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिये। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि विभाग द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम, नशा मुक्ति केंद्र, डीआरसीसी केंद्र के आकस्मिक निरीक्षण के किया जाए इसके लिए भोपाल स्तर से विशेष टीम गठित की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प पत्र के अनुसार नवीन राज्य दिव्यांगजन नीति, वृद्धजन कल्याण नीति और राज्य ट्रांसजेंडर कल्याण नीति तैयार की जाए। यह नीतियाँ इसी वित्तिय वर्ष में प्रदेश में लागू की जाएगी। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों के शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कराए जाने पर विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाएं समाज के कमजोर वर्ग के लिए संचालित की जाती हैं इन योजनाओं के प्रभावित क्रियान्वयन मानवीय संवेदनाएं और सामाजिक दायित्व का भाव रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की तर्ज पर वृद्धजन के लिए जिला स्तर पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सोनाली पाक्षे वायंगणकर ने बताया कि भारत सरकार द्वारा केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में अब केन्द्र और राज्य की भागीदारी60:40 के अनुपात में रखने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान प्रदेश में 55 लाख 23 हजार हितग्राहियों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में 331 करोड़ 38 लाख रूपये की राशि प्रति माह वितरित की जा रही है। मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह और निकाह योजना के अंतर्गत 2025-26 में लगभग 60 हजार शादियाँ कराई गई है। नये निर्देश के तहत 2026-27 में 44 हजार से अधिक शादियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में सड़क पर उतरे शिक्षक

रायसेन, देशबन्धु। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा की अगुआई में जिले के शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में धरना प्रदर्शन कर वाहन रैली निकाली और अपनी मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य मांगों में शिक्षक पात्रता परीक्षा निरस्त कराने और प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता प्रदान करना शामिल है। धरने को संबोधित करते हुए शिक्षक नेताओं ने शासन से सुप्रीम कोर्ट में शिक्षकों के पक्ष में पुनरविचार याचिका लगाने की मांग की। साथ ही बताया की शासन ने 20 वर्ष पूर्व नियुक्त शिक्षकों की सेवा को शून्य करते हुए 2018 से नई नियुक्ति दे दी है जो हमारे साथ घोर अन्याय है, हमारी सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनाँक से की जावे। शिक्षकों ने बताया कि आंदोलन के अगले चरण में 11 अप्रैल को ब्लाक स्तर पर जनप्रतिनिधियों को मांगों का ज्ञापन सौंपा जायेगा, तथा आगामी 18 अप्रैल को भोपाल में जंगी प्रदर्शन किया जायेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान मोर्चा के संरक्षक उमेश सिंह ठाकुर, अध्यक्ष सूर्य प्रकाश सक्सेना, संयोजक तेग बहादुर सिंह राजपूत सचिव हरिराम विश्वकर्मा उपाध्यक्ष सीताराम रैकवार, महामंत्री रघुवीर सिंह भदौरिया, कोषाध्यक्ष एलएन प्रधान, मीडिया प्रभारी कन्हैयालाल मालवीय, कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार खत्री, जसवंत सिंह चौहान, संजय रघुवंशी, मुकेश शाक्य सहित जिले के सभी ब्लाकों से सैंकड़ो शिक्षक शामिल रहे।

प्रदेश में 9 से 23 अप्रैल तक मनाया जाएगा 8वां पोषण पखवाड़ा

बच्चों के मस्तिष्क विकास पर रहेगा विशेष फोकस

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक 8वां पोषण पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस वर्ष पोषण पखवाड़े का मुख्य थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क का अधिकतम विकास निर्धारित किया गया है। पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ 9 अप्रैल को आंगनवाड़ी केन्द्रों और समुदाय स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। इस दौरान पोषण पर चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा।

पोषण पखवाड़े में मुख्य रूप से मातृ एवं शिशु पोषण, जन्म से 3 वर्ष तक मस्तिष्क विकास के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन, 3 से 6 वर्ष तक खेल आधारित शिक्षा, बच्चों में स्क्रीन टाइम कम करने में परिवार और समुदाय की भूमिका तथा सशक्त आंगनवाड़ी निर्माण में सामुदायिक सहयोग जैसे विषयों पर गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार मानव मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास जन्म से 6 वर्ष की आयु तक हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पोषण पखवाड़े में परिवारों और समुदायों में ऐसे व्यवहारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को मजबूत बनाते हैं। अभियान के तहत विभिन्न तिथियों पर गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर, पोषण संबंधी कहानी वाचन, दादी-नानी के अनुभव साझा कार्यक्रम, स्थानीय खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता, जंक फूड के दुष्प्रभावों पर जागरूकता रैली, बच्चों के विकासात्मक मील के पत्थरों की पहचान अभियान तथा माता-पिता के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा बच्चों में स्क्रीन टाइम कम करने, खेल आधारित सीखने, माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने तथा सामुदायिक सहयोग से आंगनवाड़ी केन्द्रों को मजबूत बनाने के लिए भी विशेष गतिविधियाँ होंगी। 22 अप्रैल को पंखुड़ी पोर्टल के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए सामुदायिक सहयोग एवं दान अभियान चलाया जाएगा, जबकि 23 अप्रैल को पोषण मेला आयोजित कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पोषण पखवाड़े में सभी जिलों में रैलियां, पोषण वाटिका निर्माण, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर एवं नारा लेखन प्रतियोगिता, सोशल मीडिया अभियान तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही अभियान से संबंधित गतिविधियों की जानकारी पोषण अभियान के जन-आंदोलन डैशबोर्ड पर दर्ज की जाएगी।

सिनेमा और विचारधारा : मनोरंजन के पीछे छिपे संकेत

सिनेमा में कहानी और राजनीतिक विचारधारा का मिश्रण एक समकालीन विमर्श के रूप में उभरा है । हालिया चर्चित 'धुरंधर' भी इसी बहस के केंद्र में खड़ी एक फिल्म है । आज़ाद भारत में सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम मात्र नहीं रहा, बल्कि वह समाज के विचारों और दृष्टिकोण को प्रभावित करने वाला सबसे सशक्त माध्यम रहा है । लेकिन जब यही दृष्टिकोण किसी एक राजनीतिक विचारधारा की ओर झुकता हुआ प्रतीत होता है, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है । सबसे बड़ा सवाल यहाँ यह उठता है की क्या यह वास्तव में कुछ नया है? क्या ऐसा पहले कभी नहीं हुआ? और क्या इस फिल्म के ज़रिये मनोरंजन के नाम पर दर्शकों के साथ धोखा किया जा रहा है?

हर दशक में हमने ऐसी फिल्मों को बनते देखा है, जिनमें कहानी के साथ एक विशेष विचारधारा की छाया भी दिखाई देती है । 1983 में आई अमिताभ बच्चन अभिनीत फ़िल्म 'कुली', कम्युनिज्म को खुलकर प्रमोट करती नज़र आती है । फिल्म का वो सीन, जिसमें सभी कुली (श्रमिक वर्ग) संगठित होकर पूंजीवादी 'पुरी' के बंगले में ग्रह-अतिक्रमण करते हैं, जो केवल विरोध का स्वर नहीं बल्कि मकान न मिलने पर व्यवस्था के खिलाफ आक्रोशपूर्ण हस्तक्षेप होता है । यह दृश्य अपने आप में पूर्वी यूरोप के 1917 के उस दौर को रेखांकित करता है, जिसमें पूंजीपति और श्रमिक वर्ग के बीच टकराव ने क्रांति का रूप लेकर तख्तापलट किया और कम्युनिज्म को राजनीतिक रूप से स्थापित किया ।

इसी दौर में 'रोटी कपड़ा और मकान' (1974) एक सशक्त फिल्म थी। फिल्म का ऐतिहासिक सीन जिसमें नायक बेरोज़गारी और बेबसी से तंग आकर अपनी डिग्री फाड़कर पिता की जलती चिता में फेंक देता है, जो आज भी प्रासंगिक है । कहा जाता रहा है की फिल्म का शीर्षक-इंदिरा गांधी के नारे 'गरीबी हटाओ' से प्रेरित था । यह संयोग नहीं है की इस प्रकार के दृश्य उसी समय सामने आते हैं, जब भारत का राजनीतिक परिदृश्य तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में समाजवादी झुकाव से प्रभावित हो रहा था। उनकी नीतियों में समाजवादी सोच देखी जा सकती थी । उस समय भारत और सोवियत संघ के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध थे । यह प्रभाव केवल विदेश नीति तक सीमित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक स्तर पर भी उसकी झलक साफ़ देखी जा सकती थी । समाजवाद जैसे विचार सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बन रहे थे, उनका असर साहित्य पर तो 3 दशक पहले ही शुरू हो गया था, वह सिनेमा में भी दिखाई देने लगा था।

यहां तक कि अकादमी पुरस्कारों पर भी अक्सर पक्षपात के आरोप लगते रहे हैं, हाल ही में संपन्न हुए अकादमी पुरस्कारों में बेस्ट फिल्म के लिए 'वन बैटल आफ्टर अनादर' को चुना जाना भी कहीं-न-कहीं सवाल खड़े करता है, विशेषकर तब जब ऑस्कर के 98 वर्षों के इतिहास में सबसे ज्यादा 16 नॉमिनेशन प्राप्त करने वाली इकलौती फिल्म 'सिनर्स' अधिक सशक्त और प्रभावशाली फिल्म रही । फिल्म का स्क्रीनप्ले हो या संगीत, सिनेमेटोग्राफी या प्रोडक्शन डिजाईन 'सिनर्स' लम्बे समय के लिए गहरी छाप छोड़ के जाती है । यह फिल्म अश्वेत समुदाय के संघर्षों और उनके ऐतिहासिक अनुभवों को केवल दर्शाती ही नहीं, बल्कि उन्हें संवेदनशीलता और समकालीन नस्लवाद की जीवित वास्तविकता से इस प्रकार जोड़ती है कि दर्शक उसके सामाजिक और मानवीय महत्व को गहराई से महसूस करता है। एक ऐसा प्रयास, जिसकी झलक पहले 'गेट आउट' (2017), 'अस' (2019) जैसी फिल्मों में भी मिलती है।

ऐसे में प्रश्न भी उठता है कि क्या इन निर्णयों के पीछे केवल कलात्मक मानदंड कार्य करते हैं, या फिर समकालीन अमरीकी सांस्कृतिक प्रवृतियां अपना प्रभाव ज्यादा रखती हैं।

यह केवल एक निर्णय भर नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है, जहां कलात्मकता से ज्यादा वैचारिक झुकाव निर्णायक भूमिका निभाते हुए दिखते हैं। ऐसे में 'धुरंधर' को भी इसी कड़ी में रखकर देखना उचित प्रतीत होता है, जहां चर्चा उस अंदरूनी भावना की है, जो फिल्म के दौरान लगातार बनी रहती है । 'धुरंधर' केवल एक फिल्म है या राजनीतिक वक्तव्य - यह आपको स्वयं तय करना है।

शुभम् आर्य (अभिनेता एवं लेखक)

सार समाचार

3 दिवसीय उर्स मुबारक 5 मई से

सीहोर, देशबन्धु। हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रतीक सर्व धर्म हजरत दुल्हा बादशाह दरगाह पर तीन दिवसीय उर्स मुबारक आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय पसमांदा महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं उर्स कमेटी अध्यक्ष नोशाद खान ने बताया कि आगामी 5 से 7 मई तक उर्स रहेगा। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय होंगे। कोतवाली चौराहा से मंगलवार शाम पांच बजे चादर जुलूस शुरू किया जाएगा। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश राय दरगाह पर चादर पेश करेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर भी शामिल होंगे। जिस के बाद रात 9 बजे मिलाद शरीफ होगी। उर्स के दौरान हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल हलीम ताज 7 मई की रात अपना कलाम पेश करेंगे। भोपाल के सादिक वज और साबरी कव्वाल,कसीम के द्वारा कव्वालियां प्रस्तुत की जाएगी। दरगाह कमेटी अध्यक्ष रिजवान पठान ने बताया कि शहर सहित आसपास के हजारों लोग उर्स में शामिल होंगे।

जैन मंदिर में चोरी, आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर सौंपा ज्ञापन

आष्टा, देशबन्धु। दतिया जिले के प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल सोनागिर में स्थित भगवान चंद्रप्रभु मंदिर से 10.5 किलो वजनी चांदी की प्रतिमा एवं दान पेटी चोरी होने की घटना को लेकर जैन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस मामले में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं प्रतिमा बरामदगी की मांग को लेकर तहसील कार्यालय पहुंचकर अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच, श्री दिगंबर जैन सामाजिक कल्याण न्यास सहित प्रमुख समाजजनों ने अनुविभागीय अधिकारी नितिन कुमार टाले को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए, चोरी गई प्रतिमा को जल्द बरामद कराया जाए तथा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। ज्ञापन सौंपते समय अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच, श्री दिगंबर जैन सामाजिक कल्याण न्यास सहित समाज के प्रमुखजन दिलीप सेठी, नरेंद्र जैन उमंग, इंजीनियर मयूर जैन, यतेंद्र जैन, नरेंद्र गंगवाल, आनंद जैन, जितेंद्र जैन, सुरेश जैन, इंदरमल जैन, आशीष जैन, मनोज जैन, विकास जैन, एडवोकेट पल्लव प्रगति, प्रशांत जैन, नितेश जैन सहित अन्य समाजजन शामिल थे।

अपर कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण, देखीं व्यवस्थाएं

विदिशा, देशबन्धु। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने जिले में संचालित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग उप संचालक केसी खपेडिया तथा उपयुक्त सहकारिता ध्रुव कुमार झारिया भी साथ मौजूद रहे। अपर कलेक्टर ने सहकारी समिति बासौदा द्वारा संचालित चना एवं मसूर उपार्जन केंद्र जीवाजीपुर का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने तौल व्यवस्था, किसानों के पंजीयन, उपज के भंडारण तथा भुगतान प्रक्रिया की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉपोरेशन, पठारी रोड स्थित केंद्रों का निरीक्षण किया गया, जहां बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित ककरावदा एवं उदयपुर द्वारा संचालित गेहूं उपार्जन केंद्रों का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्रों पर किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं, पेयजल, छाया एवं अन्य सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया गया।

शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में आंदोलन तेज

रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे शिक्षक, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

विदिशा, देशबन्धु। जिले में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) के विरोध में शिक्षकों का आंदोलन तेज हो गया है। बुधवार को जिला मुख्यालय पर करीब दो हजार से ज्यादा शिक्षकों का जमावड़ा विदिशा के गांधी चौक पर लगा। जहां पर शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने अपनी बात मंच के जरिए रखी। नीमताल पर हुए प्रदर्शन के बाद आंदोलन कर रहे शिक्षक रैली की शक्ल में कलेक्टोरेट पहुंचे जहां सीएम के नाम ज्ञापन दिया।

शिक्षक सड़कों पर उतरे और परीक्षा प्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान शिक्षकों ने नारेबाजी कर आक्रोश जताया। प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से शिक्षा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें टीईटी परीक्षा देने के लिए बाध्य किया जा रहा है। उनका आरोप है कि सरकार द्वारा बार-बार नियमों में बदलाव किए जा रहे हैं, जिससे शिक्षकों का भविष्य अनिश्चित होता जा रहा है। आंदोलन में शामिल शिक्षकों ने कहा कि पहले से कार्यरत और अनुभवी शिक्षकों को पुनः पात्रता परीक्षा के दायरे में लाना अनुचित है। उन्होंने मांग की कि जिन शिक्षकों ने पहले ही अपनी योग्यता साबित कर दी है, उन्हें इस प्रक्रिया से मुक्त किया जाए। प्रदर्शन के दौरान कई शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिन्होंने एक स्वर में सरकार से इस मुद्दे पर संवेदनशीलता दिखाने की अपील की।

किसान के घर में लगी आग, लाखों का सामान खाक

सिरोंज, देशबन्धु। तहसील के ग्राम जगथर में मंगलवार को भीषण आग लगने की घटना सामने आई। जिसमें किसान बादल सिंह पाल के घर एवं खेत से जुड़ा लाखों रुपये का सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग में ट्रैक्टर, पाइप, इंजन, गेहूं की फसल तथा भूसा सहित अन्य कृषि सामग्री आग की चपेट में आकर खाक हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। घटना के दौरान गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और ग्रामीणों ने अपने स्तर पर काफी देर तक मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पानी के पर्याप्त साधन उपलब्ध न होने के कारण आग तेजी से फैलती गई, जिससे नुकसान का दायरा बढ़ता चला गया। वहीं, सिरोंज से दमकल वाहन को मौके पर पहुंचने में करीब डेढ़ घंटे से अधिक का समय लग गया, जिसके चलते आग पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया जा सका। इस घटना से किसान परिवार को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को उचित मुआवजा प्रदान करने की मांग की है।

जानलेवा हमले के बाद भी आरोपियों के खिलाफ नहीं हुई कार्रवाई

गंजबासौदा, देशबन्धु। गंजबासौदा थाना इलाके में ग्राम बकागड़ में 2 अप्रैल को किसान पर किए गए जानलेवा हमले के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे पीड़ित के परिवार में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक ग्राम बकागड़ में पप्पू मीना निवास करते हैं। इसी गांव में भूरा मीना, राकेश मीना और सोनू मीना निवास करते हैं। विगत दिनों भूरा, राकेश और सोनू ने पप्पू पर लाठियों से प्राणघातक हमला कर दिया। इस हमले में पप्पू के सिर, दोनों हाथों और दोनों पैरों में गंभीर चोटें सामने आई हैं। आरोपियों के हमले से गंभीर रूप से घायल पप्पू का विदिशा के शासकीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत के बाद भी अब तक आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। जिसके कारण न सिर्फ उनका परिवार बल्कि पूरा गांव आरोपियों से भयभीत है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी मीना दंपति पर इन कतिपय तत्व द्वारा प्राण घातक हमला किया जा चुका है। जिसके कारण वह अपना गांव और खेती किसानी छोड़कर भोपाल में रहने को मजबूर हैं। यहां भी उन्हें आरोपियों का डर लगातार बना रहता है, पीड़ित ने आरोपियों से जान का खतरा बताया है।

कांग्रेस का प्रदर्शन आज, शामिल होंगे सिंघार

सीहोर, देशबन्धु। किसान विरोधी नीतियों के विरोध में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती के नेतृत्व में 9 अप्रैल को होने वाले प्रदर्शन में जिले भर के किसान, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारी संख्या में शामिल होगे। जिला कांग्रेस कार्यालय से सुबह 11 बजे रैली के रूप में पहुंचकर कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपा जाएगा। इस मौके पर मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान, जिला प्रभारी श्रीमती जयश्री हरिकिरण, पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल सहित वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहेगे।

राष्ट्रीय कृषि मेले को लेकर विधायक ने ली बैठक

कुरवाई, देशबन्धु। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में रायसेन में आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय कृषि मेले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे द्वारा बुधवार को अपने कार्यालय में भाजपा कुरवाई विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्षों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक सप्रे ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसानों को इस कृषि मेले में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि मेले में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा नई तकनीकों, उन्नत बीज, आधुनिक उपकरणों एवं खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के विभिन्न उपायों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। विधायक ने जोर देते हुए कहा कि यह मेला किसानों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जहां वे खेती को अधिक लाभकारी बनाने के तरीके सीख सकते हैं। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों से संपर्क कर उन्हें मेले में शामिल होने हेतु प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। बैठक में मण्डल अध्यक्ष गन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित ।

कांग्रेस ने प्रदर्शन कर किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

भैरूंदा, देशबन्धु। किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर किसान कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपा। यह प्रदर्शन जिला अध्यक्ष जगदीश चौहान के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। ज्ञापन में किसानों से जुड़े प्रमुख मुद्दों को उठाते हुए गेहूं की खरीदी 3000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की मांग की गई। साथ ही नरवाई के दौरान आग लगने की घटनाओं में किसानों पर प्रकरण दर्ज नहीं करने और सहकारी समितियों व बैंकों द्वारा कृषि ऋण वसूली की अंतिम तिथि 30 मई तक बढ़ाने की भी मांग रखी गई। ज्ञापन सौंपने से पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष जगदीश चौहान का कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष श्री चौहान ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री के क्षेत्र बुधनी और विदिशा क्षेत्र में ही किसान समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में कृषि विकास के भ्रामक आंकड़े प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है और किसान परेशान हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो किसान कांग्रेस उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील गोल्या, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय पटेल, ममता कीर, जनपद सदस्य सुनील शर्मा, माखन सिंह पवार, संतोष गौर, सत्यनारायण तिवारी, विकास शर्मा, सुरेश कुशवाह, संजय मालवीय, मोर सिंह राजपूत सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व होम्योपैथी दिवस के उपलक्ष्य में हुआ कार्यक्रम

सीहोर, देशबन्धु। श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय में विश्व होम्योपैथी दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 7 अप्रैल तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध लेखन, वाद-विवाद, चार्ट एवं मॉडल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही ग्राम थुना एवं इंग्लिशपुरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जहां ग्रामीणों को होम्योपैथी उपचार की सुविधाएं प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, होम्योपैथी के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु एक रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

रुद्र शक्ति की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत

सिरोंज, देशबन्धु। रुद्र सेना की महिला इकाई रुद्र शक्ति की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्वेता आनंद त्यागी के प्रथम नगर आगमन पर केडीबीएम परिवार , विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने पुष्पमालाओं, पुष्पवर्षा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित बौद्धिक सत्र में श्वेता आनंद त्यागी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रुद्र शक्ति केवल एक संगठन नहीं, बल्कि नारी जागरण, सनातन संस्कृति के संरक्षण और समाज सेवा का सशक्त माध्यम है।

भाजपा का प्रशिक्षण शिविर: बौद्धिक सत्रों में कार्यकर्ताओं को दिया मार्गदर्शन

भैरूंदा, देशबन्धु। भाजपा मंडल द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। यह शिविर कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व निर्माण, वैचारिक स्पष्टता और संगठन के प्रति समर्पण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। शिविर में कार्यकर्ताओं को अनुशासित दिनचर्या के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रातःकालीन व्यायाम, योग, बौद्धिक सत्र, समूह चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे।

बौद्धिक सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को एकात्म मानववाद के सिद्धांतों से अवगत कराया गया, वहीं शारीरिक गतिविधियों ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया। सात सत्रों में आयोजित इस शिविर में बुधनी विधानसभा के विधायक रमाकांत भार्गव, भाजपा

जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, युवा नेता कार्तिकेय सिंह चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष रवि मालवीय, रघुनाथ भाटी, संगठन प्रभारी विकास विरानी तथा पूर्व जिला उपाध्यक्ष लखन यादव ने विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में मंडल क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं में प्रजेश शिशिर, उमा खंडेलवाल, बाबूलाल जाट, रॉय साहब भंवर सिंह कॉलेज के संचालक नरेंद्र सिंह भाटी और मिश्रीलाल विश्वकर्मा ने अलग-अलग सत्रों में अध्यक्षता की। शिविर में छोटे-छोटे कार्यों जैसे स्वच्छता, भोजन व्यवस्था और समय पालन के माध्यम से भी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी और सेवा का महत्व समझाया गया। आयोजकों के अनुसार, ऐसे प्रशिक्षण शिविर संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शॉर्ट सर्किट से नहीं, किसानों ने ही लगाई थी नरवाई में आग

विदिशा, देशबन्धु। जिले के विभिन्न ग्रामों में गेहूं की फसल एवं नरवाई में आग लगने की घटनाओं को लेकर विद्युत लाइन में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात जांच में गलत पाई गई है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किए गए मौके के निरीक्षण एवं तकनीकी जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आगजनी की घटनाएं विद्युत लाइन या फीडर से संबंधित नहीं थीं। विद्युत विभाग के अनुसार ग्राम बरखेड़ी गंभीर में किसान के खेत में आग लगने की सूचना पर 11 केवी ड्रेनिया पंप फीडर एवं विद्युत लाइन का परीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि संबंधित अवधि में फीडर बंद था तथा विद्युत प्रवाह नहीं हो रहा था, जिससे शॉर्ट सर्किट से आग लगना संभव नहीं था। इसी प्रकार ग्राम सपली में गेहूं की फसल में आग लगने की घटना की जांच में भी विद्युत

लाइन में किसी प्रकार की ट्रिपिंग, फॉल्ट या शॉर्ट सर्किट दर्ज नहीं पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि शॉर्ट सर्किट होता तो लाइन ट्रिप होती या तार टूटने के प्रमाण मिलते, जबकि ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया। जांच दल ने यह भी पाया कि खेतों में फसल कट चुकी थी और नरवाई में आग लगाए जाने की संभावना अधिक है। विद्युत विभाग ने स्पष्ट किया कि आग की घटनाएं विद्युत लाइन से नहीं बल्कि अन्य कारणों से हुई हैं। इसी तरह पठारी तहसील के ग्राम नजफगढ़ में नरवाई में लगी आग को लेकर सामने आई शॉर्ट सर्किट की आशंका जांच में गलत साबित हुई है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपनी जांच रिपोर्ट में बताया कि आग विद्युत लाइन के शॉर्ट सर्किट से नहीं लगी थी। बिजली कंपनी ने अपनी जांच में बताया कि 26 मार्च को ग्राम नजफगढ़ में नरवाई में आग लगने की घटना की सूचना प्राप्त होने पर वितरण केंद्र पठारी के अधिकारियों एवं लाइन स्टाफ द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया. जांच में पाया गया कि जिस 11 केवी भालामोरा पंप फीडर से क्षेत्र को विद्युत सप्लाई दी जाती है, वह घटना के समय निर्धारित शटडाउन के कारण बंद था, जिससे विद्युत प्रवाह ही नहीं हो रहा था।

भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रम में सिरोंज-लटेरी विधान सभा पार्टी पोर्टल पर अव्वल

सिरोंज, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग में 147 सिरोंज-लटेरी विधान सभा क्षेत्र ने समूचे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 5 मंडलों में कुल 279 बूथ केंद्र शामिल हैं, जिनमें से 239 बूथ केंद्रों पर कार्यक्रमों की विधिवत सूचना दी गई। विशेष रूप से 238 बूथ केंद्रों पर ध्वजवंदन कार्यक्रम सम्पन्न हुए, इसके साथ ही 817 फोटो पार्टी के अधिकृत पोर्टल पर अपलोड किए गए, जो पूरे प्रदेश में सर्वाधिक हैं। यह आंकड़े न केवल संगठन की सक्रियता को दर्शाते हैं, बल्कि बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की मजबूत उपस्थिति और जागरूकता को भी सिद्ध करते हैं। विधायक उमाकांत शर्मा की सक्रिय कार्यशैली, सुदृढ़ संगठनात्मक दृष्टिकोण एवं क्षेत्र में उनकी निरंतर सक्रियता के परिणामस्वरूप सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र को मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह निरंतर संपर्क, संवाद और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय का ही प्रभाव है कि क्षेत्र ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

एसएटीआई के कर्मचारी हड़ताल पर, प्रताप भानु ने उठाए गंभीर सवाल

विदिशा, देशबन्धु। बुधवार को पूर्व सांसद एवं एसएटीआई सम्राट अशोक अभियांत्रिकी संस्थान की पूर्व जीवाजी राव एजुकेशन सोसाइटी के पूर्व सचिव प्रताप भानु शर्मा ने संस्थान की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पिछले सात माह से वेतन नहीं मिलने के कारण सोमवार से एसएटीआई पॉलिटेक्निक के शिक्षण एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हड़ताल पर हैं, 93 कर्मचारियों ने हस्ताक्षर युक्त पत्र मुझे भी सौंपा है तथा ग्रांट आवंटन हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का निवेदन किया है. कर्मचारियों की मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। शर्मा ने कहा कि एक समय देश के शीर्ष 55 संस्थानों में शामिल यह संस्थान लगातार गिरावट का शिकार हो रहा है।

सड़कों पर अतिक्रमण के चलते लगता है जाम

मंडी में आवक बढ़ने से वाहनों की लग रही कतार

आष्टा, देशबन्धु। मार्च माह खत्म होने के बाद लगातार छुट्टियों के चलते अपनी उपज नहीं बेच पा रहे थे जैसे सोमवार को मंडी खुली उसी दिन से लगातार भारी आवक के चलते मंडी परिसर मरात को ही वाहनों से भर जाता है, वहीं नम्बर लगाने के इंतेजार में सुबह जैसे ही और आवक बढ़ने के चलते वाहनों की लम्बी लम्बी लाईने मंडी गेट से लेकर कन्नौद रोड के तहसील और कॉलौनी चौराहा पर और उससे बड़ी लाईने लग जाती है यही हालात दूसरी तरफ के मार्ग का भी होता है जो मंडी में आने वाले वाहनों की लाईने शासकीय कॉलेज व पदमसी तक लग जाती हैं। साथ में दूसरे वाहनों के आवागमन लगातार चलने के साथ साथ रोड के दोनों ओर कई जगह अतिक्रमण भी है इसके कारण अब जाम लगना आम बात हो गई है। नगर की ए क्लास की कृषि उपज मंडी में इन दिनों 20 हजार क्विंटल से भी अधिक आवक हो रही है। दोनो शिफ्टों के चलते 15 से 18 हजार क्विंटल तक की निलामी की जाती है शेष बची उपज की निलामी दूसरे दिन हो पाती है। इस वर्ष बंपर पैदावार के चलते गेहूं लगातार बड़ी मात्रा में आष्टा क्षेत्र के अलावा अन्य चार तहसीलों के ग्रामों के भी किसान बेचने के लिए आष्टा में आ रहे हैं। नगर की सड़कों पर लगातार बड़ रहे अतिक्रमण जिसे हटाने में अभी तक प्रशासन नाकाम हो रहा है। हाथ ठेले से लेकर गुमठियां अब अतिक्रमण कर्ता चद्दरशेड व पक्का निर्माण करने में नहीं चूक रहे हैं। भोपाल नाके से लेकर कन्नौद पर तो अतिक्रमण है ही बस स्टेंड भी अछूता नहीं है। सबसे बड़ी समस्या सिविल अस्पताल गेट पर है जहां प्रतिदिन दोपहर के बाद फल व सब्जी के ठेले इस तरह से लगाये जाते है कि चार पहिया वाहन का रास्ता तो पूरी तरह बंद कर दिया जाता है, यहां तक कि लोग बुधवारा मार्ग पर अपना वाहन लेकर नहीं जा सकते है। अस्पताल गेट पर भी हाथठेले लग जाते है लोग अपने वाहन भी खड़े करने से नहीं चूकते है। इसके चलते एम्बुलेंस एवं गंभीर मरीजों को लाने वाले वाहन भी गेट पर रूक जाते है।

यातायात पुलिस ने नियमों व संकेतों के उल्लघंनकर्ता 11 वाहन चालकों व मालिक के विरूद्ध एमवी एक्ट के तहत वैधानिक चालानी कार्रवाई की। जुर्माना स्वरूप 8 हजार 8 सौ रूपये वसूल किया। मण्डी से तुलावटी होने के पश्चात किसानों की ट्रैक्टर ट्रॉलियों को उपस्थित रहकर ट्रैफिक कंट्रोल कर निकलवाया जिससे यातायात अनवरत चलता रहा। कन्नौद रोड, भोपाल नाका, किलेरामा चौपाटी, इंदौर नाका, अलीपुर पुराना बस स्टैण्ड ,अस्पताल गेट, श्री राम मन्दिर, बुधवारा, शाहजानी मस्जिद समेत सम्पूर्ण कस्बा भ्रमण लगातार कर शहर की यातायात एवं मार्ग व्यवस्था की।

इनका कहना है

व्यवस्था बनाना पुलिस का काम है जो हम कर रहें, समय समय पर लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमण हटाना नगर पालिका का काम है। यदि सड़क किनारे का अतिक्रमण हटा दिया जाए तो यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चलेगी।

शशिकांत शर्मा,
यातायात चौकी प्रभारी

अधिकारी के निर्देश मिलने पर अतिक्रमण हटाया जाएगा, भोपाल नाके पर गुमठियां रखी हुई है जिन्हें अभी नहीं हटाया गया है।

कैलाश घेंघट, अतिक्रमण प्रभारी
नगर पालिका

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

इंडिगो	8.09 प्रतिशत
एलएंडटी	7.49 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	6.90 प्रतिशत
एमएंडएम	6.82 प्रतिशत
अल्ट्राटेक	6.49 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडिगो	0.87 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.52 प्रतिशत
एमएंडएम	0.50 प्रतिशत
टाइटन	0.31 प्रतिशत
ट्रेंट	0.27 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,54,934
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,46,376
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	93.77	90.75
पौंड स्टर्लिंग	126.67	122.18
यूरो	110.15	106.15
चीन युआन	14.50	12.68

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7680.27
मसूर काली	8071.11
उड़द दाल	10792.06
मूंग दाल	10154.82
अरहर दाल	11265.18

अमेरिकी कोर्ट में अडाणी ग्रुप की याचिका स्वीकार

न्यूयॉर्क, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी अदालत ने अरबपति उद्योगपति गौतम अडाणी की उस याचिका को स्वीकार कर लिया है जिसमें उन्होंने अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा कथित धोखाधड़ी के मामले को खारिज करने के लिए सुनवाई का समय निर्धारित करने का अनुरोध किया था। याचिका में कहा गया है कि यह मामला अमेरिकी कानून का अनुचित रूप से सीमा से बाहर प्रयोग है और एसईसी अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों के तहत कार्रवाई योग्य दावे स्थापित करने में विफल रहा है।

देश में मौजूदा बैंकिंग कानून में बदलाव की जरूरत नहीं : मल्होत्रा

■ जरूरत पड़ने पर आरबीआई करेगा स्थिति की समीक्षा ■ बैंक बोर्ड्स के लिए दिशा निर्देशों को अपडेट करने की योजना बना रहा आरबीआई

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक को एचडीएफसी बैंक में कामकाज से जुड़ी कोई समस्या नहीं मिली है। हाल ही में एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष अतानु चक्रवर्ती ने कुछ घटनाओं और तौर-तरीकों से सहमत न होने के कारण इस्तीफा दे दिया था। मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों के ऐलान के बाद आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि नियामक पर्यवेक्षण में बैंक के कामकाज में कोई समस्या नहीं मिली है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा बैंकिंग कानून स्पष्ट और प्रभावी हैं, और फिलहाल इनमें किसी बदलाव की जरूरत नहीं है। हालांकि, जरूरत पड़ने पर केंद्रीय बैंक स्थिति की समीक्षा करेगा।

मल्होत्रा ने यह भी आश्वासन दिया कि बैंकिंग क्षेत्र में कोई व्यापक चिंता की बात नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'प्रणाली सुरक्षित और स्थिर बनी हुई है, और ऐसी व्यक्तिगत घटनाएं बैंकों के समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करती हैं।'

मल्होत्रा ने बताया कि एचडीएफसी बैंक में मुनाफा या वित्तीय मजबूती से संबंधित कोई प्रणालीगत समस्या नहीं है। उनकी ये टिप्पणियां एचडीएफसी बैंक में हाल ही में हुए घटनाक्रम के बाद आई हैं, जहां अध्यक्ष ने मूल्यों और नैतिकता पर मतभेदों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा

केंद्रीय बैंक को एचडीएफसी बैंक में कामकाज से जुड़ी कोई समस्या नहीं मिली है : **संजय मल्होत्रा**

दे दिया था। इस घटनाक्रम ने देश के सबसे बड़े निजी ऋणदाता में शासन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे।

आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि आरबीआई बैंक बोर्ड्स के लिए दिशानिर्देशों को अपडेट करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य बोर्ड्स को दैनिक परिचालन में उलझने के बजाय प्रमुख नीतिगत निर्णयों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करना है। उन्होंने बताया कि बैंकों के अनुरोधों के बाद इन नियमों की समीक्षा शुरू की गई थी। प्रस्तावित परिवर्तनों का उद्देश्य प्रबंधन को नियमित परिचालन मामलों को संभालने की अनुमति देकर बोर्ड सदस्यों के समय का बेहतर उपयोग करना है, जबकि बोर्ड बड़े रणनीतिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

आर्थिक सुधार व वित्तीय स्थिरता को मिलेगा बढ़ावा : विशेषज्ञ

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला अर्थव्यवस्था में चल रही रिकवरी को बनाए रखने, क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा देने और कर्ज की लागत को स्थिर रखने में मदद करेगा। अर्थशास्त्रियों और बैंकरों ने बुधवार को यह बात कही। इंडियन ओवरसीज बैंक के एमडी और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्रीय बैंक का यह फैसला संतुलित और 'सेफ्टी-फर्स्ट' दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने एमएसएमई सेक्टर के लिए कारोबारी माहौल आसान बनाने पर आरबीआई के फोकस की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग के लिए ड्यू डिलिजेंस की शर्त हटाना एक सकारात्मक कदम है, जिससे छोटे व्यवसायों को लिक्विडिटी और वर्किंग कैपिटल तक आसान पहुंच मिलेगी।
साउथ इंडियन बैंक के एसजीएम और सीएफओ विनोद फ्रांसिस ने कहा कि मौजूदा स्थिति में ब्याज दरों को स्थिर रखना बढ़ती महंगाई के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय प्रणाली को आवश्यक स्थिरता प्रदान करती है। उन्होंने आगे कहा कि पर्याप्त लिक्विडिटी के साथ स्थिर ब्याज दर का माहौल रिटेल और एमएसएमई सेक्टर में कर्ज की मांग को बढ़ावा देगा और बैंकों के लिए एसेट-लायबिलिटी मैनेजमेंट को मजबूत करेगा। एस्सार कैपिटल के ऑपरेटिंग पार्टनर श्रीनिवासन वैद्यनाथन ने कहा कि आरबीआई का यह फैसला काफी हद तक उम्मीदों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि केंद्रीय बैंक विकास और महंगाई नियंत्रण के बीच संतुलन बनाए रखना चाहता है।

ब्याज दरों में बदलाव न करने से होम लोन ब्याज दरों में आएगी स्थिरता

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने के फैसले से होम लोन (मॉर्गेज) की ब्याज दरों में स्थिरता बनी रहने की उम्मीद है। रियल एस्टेट सेक्टर के विशेषज्ञों ने बुधवार को यह बात कही। वेस्टियन के सीईओ श्रीनिवास राव (एफआरआईसीएस) ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह डेवलपर्स और घर खरीदने वालों के लिए राहत की खबर है, क्योंकि इससे निर्माण लागत बढ़ने के बावजूद होम लोन दरें प्रतिस्पर्धी बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि यह कदम बढ़ती लागत के असर को कम करने में मदद करेगा और बाजार की बदलती स्थिति के अनुसार रणनीति बनाने का समय देगा।
हालांकि, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह आखिरी बार हो सकता है जब रेपो रेट स्थिर रहे, इसके बाद दरें बढ़ सकती हैं। शिशिर बैजल ने कहा कि आरबीआई का 'न्यूट्रल' रुख अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाएगा।

सोना-चांदी में जोरदार तेजी

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, सुरक्षित निवेश की मांग के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव (5 जून) 3,688 रुपए यानी 2.7 प्रतिशत उछलकर 1,54,934 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई तक पहुंच गया। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव (5 मई) 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 2,46,376 रुपए प्रति किलो के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।खबर लिखे जाने तक (दोपहर 12.05 बजे के करीब) 5 जून कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 4,211 रुपए यानी 2.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,54,471 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, तो वहीं 5 मई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी 14,330 रुपए यानी 6.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,45,678 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। विश्लेषकों का कहना है कि कीमती धातुओं में यह तेजी सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के कारण आई है। साथ ही, निचले स्तर पर खरीदारी बढ़ने से बाजार में मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। करेंसी बाजार में भारतीय रुपया भी मजबूत हुआ और डॉलर के मुकाबले 40 पैसे बढ़कर 92.61 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव 93 के मुकाबले बेहतर है।

युद्ध विराम की घोषणा से उछला बाजार

सेंसेक्स 3.95 प्रतिशत ऊपर 77,562.90 अंक पर रहा

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और बीएसई का सेंसेक्स चार फीसदी के करीब उछल गया। सेंसेक्स की शुरुआत सुबह 2,674 अंक की मजबूती के साथ हुई। पूरे दिन यह 2,300 अंक से अधिक की बढ़त में रहा और अंत में 2,946.32 अंक (3.95 प्रतिशत) ऊपर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी 3.78 फीसदी की तेजी में 23,997.35 अंक पर बंद

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 873.70 अंक यानी 3.78 फीसदी की तेजी में 23,997.35 अंक पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 10 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है।

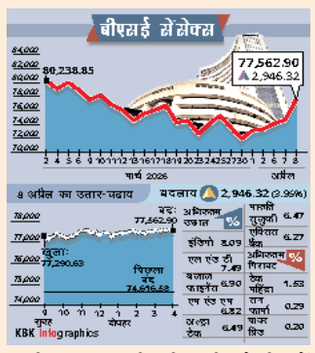

अमेरिका और ईरान में दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम पर सहमति बनी है। इससे दुनिया भर में निवेश धारणा मजबूत हुई और शेयर बाजारों में तेजी रही। चौतरफा लिवाली के बीच ऑटो सेक्टर का सूचकांक साढ़े छह प्रतिशत से अधिक चढ़ा। रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों के लिए राहत के उपायों की घोषणा से बैंकिंग सेक्टर का सूचकांक साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा मजबूत हुआ। रियलटी में पौने सात फीसदी की और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह में पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। धातु और मीडिया समूहों के सूचकांक भी ढाई से तीन प्रतिशत तक चढ़े।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 4.09 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 4.39 फीसदी की बढ़त में रहा।

सार संक्षेप

डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे मजबूत

नई दिल्ली। भारतीय रुपया बुधवार को लगातार चौथे सत्र में मजबूत हुआ और डॉलर के मुकाबले 40 पैसे की बढ़त दर्ज की। यह तेजी अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम (सीजफायर) के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और वैश्विक बाजारों में आई राहत के चलते देखने को मिली। इस दौरान, रुपया 0.4 प्रतिशत मजबूत होकर 92.61 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर 93 से बेहतर है। यह उछाल उस समय आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ अस्थायी सीजफायर का ऐलान किया, जिससे भू-राजनीतिक तनाव कम हुआ। इस प्रस्ताव में दो सप्ताह तक संघर्ष रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलने की बात कही गई है।

हुंडई ने 1 मई से कीमतों में बढ़ोतरी का किया ऐलान

नई दिल्ली। दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने बुधवार को कीमतों में एक प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया। नई कीमतें एक मई से प्रभावी होंगी। एक्सचेंज फाइलिंग में अनुसार, कंपनी ने मूल्य वृद्धि के पीछे विभिन्न लागत वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि वृद्धि की मात्रा वेरिएंट और मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। एचएमआईएल ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, 'कंपनी का प्रयास हमेशा बढ़ती लागतों को वहन करना रहा है ताकि हमारे ग्राहकों को मूल्य में उतार-चढ़ाव से बचाया जा सके। हालांकि, इनपुट लागतों में वृद्धि के कारण, इस प्रभाव के एक हिस्से को मामूली मूल्य संशोधन के माध्यम से ग्राहकों पर डालना आवश्यक हो गया है। मार्च 2026 में एचएमआईएल ने 69,004 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.5 प्रतिशत अधिक है। इसमें से घरेलू बिक्री 55,064 यूनिट्स रही है।

चावल, दालों में तेजी, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव चढ़ गया। दालों में भी तेजी रही। गेहूं में नरमी देखी गई जबकि चीनी की कीमत लगभग अपरिवर्तित रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 22 रुपए बढ़कर 3,867 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं नौ रुपए सस्ता हुआ और 2,771 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत तीन रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गई। दाल-दलहनों में तेजी रही। मूंग दाल की औसत कीमत 18 रुपए और तुअर दाल की 16 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल 15 रुपये और चना दाल 11 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल के दाम कमोबेश स्थिर रहे। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम पर सहमति बनने के बाद विदेशों में खाद्य तेलों में तीन प्रतिशत से अधिक की बड़ी गिरावट देखी गई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 179 रिंगिट गिरकर 4,586 रिंगिट प्रति टन पर रहा।

वियतनामी कंपनी महाराष्ट्र में आधुनिक शहरी विकास को बढ़ावा देगी : फडणवीस

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। वियतनाम की विनग्रुप जॉइंट स्टॉक कंपनी ने बुधवार को महाराष्ट्र में लगभग 8.5 अरब डॉलर (71,000 करोड़ रुपए) के निवेश का वादा किया है। यह निवेश सतत शहरी विकास, औद्योगिक और पर्यटन विकास, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर केंद्रित होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी राज्य भर में हरित ऊर्जा, आधुनिक बुनियादी ढांचे और गतिशील परिवहन प्रणालियों को गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह सहयोग राज्य के इतिहास में सबसे बड़े विदेशी प्रत्यक्ष निवेशों में से एक है। अगले दो वर्षों में कुल 8.5 अरब डॉलर के निवेश से 24,700 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। परियोजनाएं मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और महाराष्ट्र के अन्य चयनित स्थानों में 5,000 एकड़ में फैली होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2,700 एकड़ में एक विश्व स्तरीय, पर्यावरण के अनुकूल

■ विनग्रुप जॉइंट स्टॉक कंपनी ने 71,000 करोड़ रुपए के निवेश का किया वादा

स्मार्ट आवासीय टाउनशिप विकसित की जाएगी, जिसमें लगभग 200,000 लोग रह सकेंगे। समझौते के तहत बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा और 'मोबिलिटी-एज-अ-सर्विस' (एमएएएस) प्लेटफॉर्म शुरू करने का भी लक्ष्य है, ताकि हरित परिवहन को बढ़ावा दिया जा सके। आवास और परिवहन के अलावा, समझौते में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, इलेक्ट्रिक वाहन अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यटन सहित कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विनस्कूल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्कूल और विनमेक के माध्यम से बहु-विशेषज्ञ अस्पताल स्थापित करने का प्रस्ताव है। वी-ग्रीन पहल के तहत 170 एकड़ में फैला राज्यव्यापी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क बनाया जाएगा। इसके अलावा, 1,200 एकड़ में 500 मेगावाट की सौर परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से बदली लाखों लोगों की तकदीर

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 8 अप्रैल 2015 को मुद्रा योजना शुरू की थी। इसका मकसद देश के बेरोजगारों, युवाओं और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। 8 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11 साल पूरे हो रहे हैं। बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को जॉब सीकर्स की जगह पर जॉब क्रिएटर्स बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना बहुत कारगर साबित हुई है।

बीते 11 वर्षों में इस योजना ने देश में करोड़ों की संख्या में युवा उद्यमी तैयार किए हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत कुल 52.37 करोड़ खाते खोले गए हैं और करीब 33.65 लाख करोड़ रुपए का बिना गारंटी का लोन प्रदान किया गया है। महिलाओं और वंचित वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना मील का पत्थर साबित हुई है। इस योजना के करीब 70 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जबकि कुल लाभार्थियों में 50 प्रतिशत संख्या एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के

■ बिना गारंटी के लोन लेकर बने उद्यमी
■ जॉब क्रिएटर्स बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना कारगर साबित हुई

लोगों की है। ग्वालियर में पीएमएमवाई के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जो कदम बढ़ाए गए हैं, वे साफ नजर आ रहे हैं। ग्वालियर शहर में मुद्रा योजना के तहत लाभान्वित एक ऐसी महिला व्यवसायी है जो पहले गृहस्थी में हाथ बंटाने के लिए नौकरी करती थी लेकिन अब वह खुद प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लोन लेकर खुद बुटीक का व्यवसाय शुरू कर एक सफल उद्यमी बन गई है।

देश के क्रेडिट मार्केट को बढ़ा रहीं महिलाएं : निधि छिब्बर

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। नीति आयोग की सीईओ निधि छिब्बर ने कहा कि भारत में महिलाएं अब सिर्फ छोटे लोन ही नहीं ले रही हैं, बल्कि अब वह रिटेल और बिजनेस लैंडिंग के क्षेत्र में कदम रखकर देश के क्रेडिट मार्केट को सक्रिय रूप से बढ़ा रही हैं। नीति आयोग की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में इस बात पर बल दिया गया है कि महिलाओं के औपचारिक क्रेडिट सिस्टम के साथ जुड़ने से बड़ा बदलाव आया है। 'कर्जदारों से निर्माता तक: महिलाएं और भारत का बदलता क्रेडिट बाजार' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में दिखाया गया है कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और औपचारिक वित्तीय प्रणालियों के विस्तार से महिलाओं को लगातार ज्यादा फायदा मिल रहा है।

छिब्बर ने रिपोर्ट जारी होने पर कहा कि आर्थिक विकास तब बेहतर होता है जब ज्यादा लोग बाजारों में कुशलता से हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास तब आगे बढ़ता है जब बाजारों में भागीदारी ज्यादा व्यापक, गहरी और ज्यादा कुशल हो जाती है। उन्होंने आगे कहा कि इस रिपोर्ट के नतीजे दिखाते हैं कि महिलाएं इन बदलावों को किस तरह से लगातार आकार दे रही हैं और उनसे फायदा उठा रही हैं।

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर व औपचारिक वित्तीय प्रणालियों के विस्तार से महिलाओं को लगातार फायदा मिल रहा है : **नीति आयोग**

निधि छिब्बर ने समझाया कि खास बात यह है कि महिला कर्जदार अब शुरुआती स्तर के क्रेडिट से आगे बढ़कर रिटेल और कारोबारी जरूरतों के लिए कर्ज लेने की तरफ बढ़ रही हैं, जो उनकी बढ़ती वित्तीय क्षमता और गहरे आर्थिक जुड़ाव का संकेत है। रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में महिला कर्जदारों के पास फिलहाल 76 लाख करोड़ रुपए का क्रेडिट पोर्टफोलियो है, जो कुल सिस्टम क्रेडिट का 26 फीसदी है।

केंद्र ने तय की एलपीजी आवंटन का नया फॉर्मूला

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को एलपीजी आवंटन का नया फॉर्मूला तय किया है। इसके तहत फर्मा, फूड और कृषि के साथ अर्थव्यवस्था के लिए अहम सेक्टर्स को राहत मिलेगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक,अब फार्मा, फूड, पॉलीमर, कृषि, पैकेजिंग, पेंट, यूरेनियम, हैवी वाटर, स्टील, बीज, मेट, सिरेमिक, फाउंड्री, फोर्जिंग, ग्लास और एयरोसोल जैसे सेक्टर्स को बल्क एलपीजी मिलेगी।

इन इंडस्ट्रीज को मार्च 2026 से पहले की उनकी खपत का 70 प्रतिशत एलपीजी मिलेगी, हालांकि पूरे सेक्टर के लिए कुल सीमा 0.2 टीएमटी (थाउजेंड मीट्रिक टन) प्रति दिन तय की गई है।

सरकार के मुताबिक, जिन फैक्ट्रियों में एलपीजी की जगह प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल नहीं हो सकता, उन्हें पहले एलपीजी दी जाएगी। साथ ही, इंडस्ट्रीज को तेल वितरक कंपनियों (ओएमसी) यानी तेल कंपनियों के साथ रजिस्ट्रेशन करना होगा और पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस

■ फार्मा, फूड व कृषि जैसे क्षेत्रों को मिलेगी राहत

कनेक्शन के लिए सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के पास आवेदन करना होगा।

हालांकि, जहां एलपीजी मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस का जरूरी हिस्सा है और उसकी जगह गैस नहीं आ सकती, वहां पीएनजी आवेदन की शर्त माफ कर दी गई है। सरकार द्वारा राज्यों को पहले ही पैक्ड नॉन-डोमेस्टिक एलपीजी का 70 प्रतिशत आवंटन किया जा चुका है। इसमें 10 प्रतिशत का अतिरिक्त कोटा उन राज्यों को मिलेगा जो पीएनजी से जुड़े तय सुधार लागू करेंगे। सरकार के अनुसार, सरकार ने राज्यों तीन जरूरी कदम उठाने को कहा है, जिसमें पहला- नेचुरल गैस एंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026 को सभी संबंधित विभागों तक पहुंचाना, दूसरा- 10 प्रतिशत रिफॉर्म-लिंक्ड एलपीजी अलोकेशन का फायदा जल्द से जल्द उठाना और तीसरा- कंप्रेस्ड बायो गैस से जुड़ी राज्य नीति को जल्द नोटिफाई करना शामिल है।

इससे पहले मंगलवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 23 मार्च से अब तक लगभग 7.8 लाख 5-किलो के फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सोमवार को देशभर में 1.06 लाख से अधिक 5-किलो के सिलेंडर बिके, जबकि फरवरी महीने में प्रतिदिन औसतन 7,7000 सिलेंडर बिके थे। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पिछले चार दिनों में 5-किलो सिलेंडरों के लिए लगभग 1,300 जागरूकता शिविर भी आयोजित किए, जिनमें 10,000 से अधिक सिलेंडर बिके।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री ने स्वामी रामभद्राचार्य से की भेंट

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को जबलपुर तुलसी पीठाधीश्वर, रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज से साकेत वाटिका में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने स्वामी रामभद्राचार्य का शॉल, श्रीफल भेंटकर अभिनंदन किया। स्वामीजी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का माला पहनाकर स्वागत किया और आशीर्वाद दिया। स्वामीजी के अनुयायियों ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह के रूप में श्री राम दरबार की प्रतिकृति भेंट की। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन भी उपस्थित थे।

अजा विद्यार्थियों को छात्रगृह योजना में हर माह मिलेंगे 10 हजार : चौहान

भोपाल, देशबन्धु। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में मंत्री-परिषद द्वारा दिल्ली स्थित उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्रदेश के अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रगृह योजना में संशोधन करते हुए प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह 10 हजार रुपये की राशि प्रदान किए जाने की स्वीकृति दी गई है। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्रगृह योजना में प्रतिवर्ष 100 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा, जिसमें 50 स्नातक और 50 स्नातकोत्तर स्तर के नवीन विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा। साथ ही पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी योजना का लाभ मिलेगा।

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'वन्दे मातरम्' के रचयिता, राष्ट्र की चेतना को जागृत करने वाले महान साहित्यकार स्व. बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा किस्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों का महामंत्र रहा 'वन्दे मातरम्' आज 100 वर्षों के बाद 'विकसित भारत' के निर्माण को भी नई दिशा और शक्ति दे रहा है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने बनाया उद्यमियों को स्वावलम्बी: डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लगभग 58 करोड़ मुद्रा ऋण के माध्यम से 40 लाख करोड़ से अधिक की राशि वितरित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मुद्रा योजना की उपलब्धि के लिए धन्यवाद देते हुए आभार भी माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संचालित इस योजना से प्रदेश और देश के गरीब नागरिकों के सपनों को उड़ान मिली है।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी शहीद मंगल पांडे के बलिदान दिवस पर किया पुण्य स्मरण

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माँ भारती के अमर सपूत, महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे के बलिदान दिवस पर उनका पुण्य स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीर मंगल पांडे ने अंग्रेजी हुकूमत को जिस तेवर और ताकत से ललकारा, उससे हर भारतीय का स्वाभिमान जागृत, 1857 की क्रांति की ज्वाला घर-घर तक पहुंची। उनका बलिदान राष्ट्र के लिए निर्भीक, कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित रहने का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने किसान और स्वयंसेवी संस्थाओं से किया वर्चुअल संवाद

मुख्यमंत्री कार्यालय से रखी जाएगी गेहूं खरीदी पर नजर

उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सहज-सुगम व्यवस्था की जाए सुनिश्चित

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 9 अप्रैल से गेहूँ खरीदी आरंभ हो रही है। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए सहज-सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सभी कलेक्टर्स और एसडीएम को दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार किसान और स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल संवाद के दौरान व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था है। गेहूँ की प्रति क्विंटल कीमत को वर्तमान स्तर तक लाना बड़ी चुनौती थी, हम इसे 2700 रूपये प्रति क्विंटल तक ले जाएंगे। किसानों को उनकी फसल का सही दाम दिलवाना हमारी प्रतिबद्धता है। हम जनता की सेवा करना चाहते हैं, इसी उद्देश्य से उपार्जन केंद्रों पर गेहूँ खरीदी की बेहतर व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर हेल्प डेस्क स्थापित किये जा रहे हैं, जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम से संपूर्ण व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाएगी। उपार्जन केंद्रों पर पंपलेट और होर्डिंग के द्वारा भी किसानों को व्यवस्था के संबंध में जानकारियां देने के निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2026 से किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने मुरैना-भिण्ड में बूथ सम्मेलन व बैठकों को किया संबोधित, कहा-

कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा सबसे बड़ा दल बना

मुरैना/भिण्ड, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा है कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। इसलिए भाजपा अन्य सभी दूसरे दलों से अलग है। भाजपा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कार्य कर रही है। श्री खण्डेलवाल आज मुरैना और भिण्ड जिले के अटेर में आयोजित बूथ सम्मेलन और बैठकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि भाजपा सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएं, संगठन को और मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियां को जनता तक पहुंचाना है। प्रदेश की जनता को भाजपा संगठन और सरकार हर समाज वर्ग के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है यह भी बताना है। पार्टी कार्यकर्ता भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां जनता को बताकर गांव-गांव तक संगठन को और मजबूत बनाएं।

श्री खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए नई व्यवस्था के तहत आगामी समय में विधायक, मंत्री और सांसदों के कार्यालयों में उनके मिलने के दिन निर्धारित किए जाएंगे, ताकि कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच दूरी कम हो और संवाद बेहतर हो सके। पार्टी स्थापना दिवस के बाद 'गांव-बस्ती चलो' अभियान चलाया जा रहा है। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर भिण्ड में मंत्री राकेश शुक्ला, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, संभाग प्रभारी अभय प्रताप सिंह, सांसद संध्या राय, पूर्व मंत्री अरविन्द भदौरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष कामना भदौरिया, जिला अध्यक्ष देवेन्द्र नरवरिया मौजूद थे। वहीं मुरैना में मंत्री ऐदल सिंह कंषाना, सांसद शिवमंगल तोमर, पार्टी के प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, जिला अध्यक्ष कमलेश कुशवाह, जिला प्रभारी राजू बाथम, विधायक सरला रावत, महापौर शारदा सोलंकी उपस्थित थे।

हर वर्ग को सशक्त बनाने का किया जा रहा प्रयास : तोमर

विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मुरैना में आयोजित सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। श्री खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में पार्टी संगठन तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार की योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास की रोशनी पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है, और भाजपा इसके लिए दृढ़ संकल्पित है। कार्यकर्ता सरकार और संगठन के मार्गदर्शन में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें, ताकि मध्यप्रदेश को देश का श्रेष्ठ प्रदेश बनाया जा सके।

इंदौर नगर निगम बैठक में वंदे मातरम् को लेकर हंगामा

इंदौर, एजेंसी। बजट पर चर्चा के दौरान इंदौर नगर निगम में वंदे मातरम पर जमकर हंगामा हुआ है। बैठक में पार्षद फौजिया शेख अलीम और रूबीना खान ने वंदे मातरम् गाने से इकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस्लाम इसकी इजाजत नहीं देता है। जिसके बाद भाजपा पार्षद सभापति की आसंदी तक पहुंच गए और जमकर हंगामा किया।

कांग्रेस पार्षद फौजिया और रुबीना ने किया गाने से इंकार

भाजपा पार्षदों ने यहां जमकर नारेबाजी की, हंगामा बढ़ते देख सभापति ने कांग्रेस पार्षद फौजिया को थोड़ी देर के लिए बाहर जाने को कह दिया। इस बीच कांग्रेस पार्षद ने कहा कि उन्हें वह एक्ट दिखाया जाए, जिसमें वंदे अनिवार्य है। इसके बाद वह सदन से उठकर बाहर चली गईं। सदन से बाहर मीडिया से चर्चा करते हुए कांग्रेस पार्षद फौजिया ने कहा कि हमारा धर्म इसकी इजाजत नहीं देता है।

वहीं, इस विवाद के दौरान पार्षद रुबिना खान ने कहा कि अगर एक बाप की औलाद हो तो बुलवाकर दिखाओ। इस दौरान सदन की कार्यवाही में और हंगामा मच गया। वहीं, इस मामले में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि वंदे मातरम गाना व्यक्तिगत इच्छा हो सकती है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के सम्मान के लिए पूरी तरह से समर्पित है।

मुख्य सचिव ने की योजनाओं की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा

चालू वित्तीय साल की 15 तारीख तक पेश करें कार्ययोजना : मुख्य सचिव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी विभागाध्यक्षों से कहा है कि वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं को समाहित कर अपने विभाग की वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कार्य योजना और लक्ष्य 15 अप्रैल तक प्रस्तुत करें। उन्होंने सी.एम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों में समय-सीमा से ऊपर के प्रकरणों की समीक्षा करने के साथ सेंपल जांच करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्य सचिव श्री जैन बुधवार को मंत्रालय में समस्त विभागाध्यक्षों के साथ विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने वर्ष 1947 के पूर्व बने कानूनों में संशोधन, निरसन और नया एक्ट लाने की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने 31 मई की अंतिम समय-सीमा निर्धारित करते हुए संबंधित विभागाध्यक्षों से कहा है कि वे सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस कार्य को पूर्ण करें जिससे आवश्यक होने पर मंत्रि-परिषद की मंजूरी ली जा सके। बैठक में एक्शन प्लान-2028 की प्रगति रिपोर्ट का स्टेट्स रिव्यू भी किया गया।

मुख्य सचिव श्री जैन ने जल गंगा संवर्धन अभियान में सम्मलित सभी ग्रामीण, नगरीय, वन क्षेत्र आदि के कार्यों की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों की प्रगति रिपोर्ट एक ही प्रारूप में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल की सुगम उपलब्धता के लिए लगातार एक्शन मोड में काम करने को कहा। उन्होंने नए हैंडपंप खनन के लिए एक-दो दिन में एसओपी जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्रामीण अंचलों में अग्नि-दुर्घटनाओं की रोकथाम के अलावा बचाव कार्य के लिए योजना बनाने के लिए कहा है। मुख्य सचिव श्री जैन ने एमपीई-सेवा पोर्टल के उपयोग की समीक्षा की और इसे नागरिकों के लिए और भी आसान बनाने के निर्देश दिए। अब तक 1055 सेवाएं आनॅलाइन हुई हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपनी-अपनी सेवाएं देखकर अद्यतन कर लें।

जनभागीदारी और एल्डरमैन की नियुक्तियां पहले होंगी

निगम-मंडलों, प्राधिकरणों और आयोगों में नियुक्तियां फिर टलीं

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में निगम, मंडलों, प्राधिकरणों और आयोगों में होने वाली नियुक्तियां एक बार फिर टाल दी गई हैं, इन नियुक्तियों से पहले नगरीय निकायों में बकाया एल्डरमैन और जनभागीदारी समितियों में नियुक्तियां की जाएंगी। सरकार और संगठन के स्तर पर इन नियुक्तियों को लेकर लम्बे समय से चल रही कवायद लगभग पूरी हो गई है, लेकिन इन नियुक्तियों के लिए दावेदारों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। बताया जाता है कि सत्ता और संगठन के स्तर पर यह तय किया गया है, कि पहले एल्डरमैन की नियुक्तियां कर दी जाएं, इसके साथ ही जनभागीदारी समितियां गठित करने का काम पूर्ण कर दिया जाए। निगमों, प्राधिकरणों और आयोगों में नियुक्तियां बाद में हों। सूत्रों के अनुसार भाजपा संगठन का मानना है कि पहले निचले स्तर पर नियुक्तियों का काम पूर्ण कर लिया जाए, क्योंकि इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जानी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल का कहना है कि हमें पहले निचले स्तर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपनी है। इसलिए जल्द ही शेष एल्डरमैन की नियुक्ति की जाएगी और जनभागीदारी समितियों में भी कार्यकर्ताओं को स्थान दिया जाएगा। निगम, मंडल, प्राधिकरण या आयोगों में नियुक्ति अपेक्षाकृत कम संख्या में की जानी है। ये नियुक्तियां बाद में होंगी। बताया जा रहा है कि इस बीच सहकारी संस्थाओं के चुनाव भी होंगे।

अपर मुख्य सचिव ने पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की समीक्षा कर दिए निर्देश

जहां लाईन, वहां 10 दिन में पीएनजी सप्लाई शुरू करें

भोपाल, देशबन्धु। अपर मुख्य सचिव खाद्य श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों के अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, नगर निगम एवं नगर पालिका के अधिकारी तथा ऑयल कंपनी एवं सीजीडी के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि ऐसे हाउसहोल्ड जहां पीएनजी की लाईन कनेक्ट की जा चुकी है, उनको आगामी 10 दिवस के अंदर पीएनजी सप्लाई शुरू करें। ऐसे उपभोक्ताओं को समझाईश भी दी जाये कि यदि उनके द्वारा पीएनजी सप्लाई नहीं ली जाती है, तो भारत सरकार के निर्देशानुसार आगामी 3 माह में उनकी एलपीजी सप्लाई बंद की जा सकती है। एसीएस शमी ने गृह विभाग के अधीन आने वाले संस्थाओं/सुधार गृहों के साथ-साथ पुलिस, सीएपीएफ, डिफेंस इस्टेब्लिशमेंट, ऑफिसर्स कॉलोनी, सामान्य प्रशासन पूल के घरों, पुलिस मुख्यालय, पुलिस कॉलोनी, आदि में जहां से आस-पास पाईपलाईन बिछी हुई है, उनको प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी कनेक्शन देने के निर्देश दिये।

सीजीडी संस्थाओं को पाईपलाईन बिछाने की अनुमति: राज्य शासन द्वारा पीएनजी कनेक्शन प्रदाय करने के लिए सीजीडी संस्थाओं को उनके आवेदन किये जाने के 24 घंटे के अंदर पाइपलाइन बिछाने की ऋ स्वीकृतियां जारी की जा रही हैं। अभी तक समस्त स्वीकृतियां जारी की जा चुकी हैं, कोई भी आवेदन शेष नहीं है।

कालाबाजारी के विरूद्ध कार्रवाई: प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 3226 स्थानों पर जांच की गई, 3961 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत रूप से गैस एजेंसी एवं पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये है।

अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक की नाबार्ड चेयरमैन से शिष्टाचार भेंट

भोपाल, देशबन्धु। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष शाजी कृष्णन से भोपाल प्रवास पर अपेक्स बैंक, भोपाल के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता ने भेंट कर मध्यप्रदेश में कृषि एवं ग्रामीण विकास की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी.सरस्वती, अपेक्स बैंक के उप महाप्रबंधक श्री के.टी.सज्जन, ओ.एस.डी.श्री अरविंद बौद्ध भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान श्री गुप्ता ने मध्यप्रदेश में पैक्स एवं सहकारी बैंकों के सुदृढ़ीकरण हेतु किये जा रहे कार्यों से नाबार्ड अध्यक्ष को अवगत कराते हुए, नाबार्ड से भी इस दिशा में योजनाएं बनाने का अनुरोध किया।

धार में हत्याकांड की गुत्थी सुलझी

हत्या की रची थी साजिश, पत्नी ने उगला राज

भोपाल, देशबन्धु। धार जिले से एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा हुआ है, जिसने रिश्तों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. यहां लूट की आड़ में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या की साजिश रच डाली. पुलिस ने मामले का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है. इस घटना 7 अप्रैल की रात की है, जब धार के गोंदीखेड़ा चारण गांव में रहने वाले मिर्ची व्यापारी देवकृष्ण के घर देर रात करीब 2 बजे कुछ अज्ञात लोग घुस आए. हमलावरों ने घर में घुसते ही देवकृष्ण और उनकी पत्नी प्रियंका के साथ मारपीट की और घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात समेत करीब 50 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए. शुरू में यह मामला एक सामान्य लूट की घटना लग रहा था, लेकिन पुलिस को कुछ बातें संदिग्ध लगीं। जांच के दौरान पुलिस का शक मृतक की पत्नी प्रियंका पर गया. उसे हिरासत में लेकर जब सख्ती से पूछताछ की गई, तो पूरे मामले का चौंकाने वाला खुलासा हुआ. प्रियंका ने कबूल किया कि उसने ही अपने पति की हत्या की साजिश रची थी. उसने बताया कि उसका राजगढ़ निवासी कमलेश के साथ प्रेम संबंध था और वह अपने पति से परेशान थी। पति को रास्ते से हटाने के लिए प्रियंका ने अपने प्रेमी कमलेश के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई. इस साजिश के तहत कमलेश ने अपने दोस्त सुरेंद्र को 1 लाख रुपए की सुपारी देकर देवकृष्ण की हत्या करवाने का इंतजाम किया. इस पूरी घटना को लूट का रूप देने के लिए घर में हमला कर लूटपाट भी की गई, ताकि किसी को शक न हो।

धार के एसपी मयंक अवस्थी ने बताया कि यह पूरा मामला प्रेम प्रसंग और अवैध संबंधों से जुड़ा हुआ है. पुलिस ने आरोपी पत्नी प्रियंका और उसके प्रेमी कमलेश को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी सुरेंद्र अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है. पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में जुटी है और मामले की आगे की जांच जारी है।

ओडिशा के रायगढ़ा में खूनी संघर्ष

आदिवासियों और पुलिस के बीच झड़प, 40 से ज्यादा जवान घायल

रायगढ़ा, एजेंसी। ओडिशा के रायगढ़ा जिले में सिजीमाली बॉक्साइट खनन परियोजना को लेकर चल रहा तनाव मंगलवार को हिंसक संघर्ष में बदल गया। जिले के काशीपुर ब्लॉक अंतर्गत शगाबाड़ी और कांतामल गांवों में सड़क निर्माण को लेकर आदिवासी ग्रामीणों और पुलिस के बीच हुई भारी झड़प में 40 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। घायलों में एसडीपीओ गिरिधर साहू और काशीपुर थाना प्रभारी देब मलिक जैसे वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। प्रशासन ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए इलाके में धारा 144 लागू कर दी है।

वेदांता माइनिंग प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे

विवाद का मुख्य कारण शगाबाड़ी गांव को सिजीमाली माइनिंग क्षेत्र से जोड़ने वाली लगभग 3 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण है। इस सड़क का निर्माण वेदांता एल्युमिना कंपनी के प्रोजेक्ट के लिए किया जा रहा है। स्थानीय आदिवासी समुदाय लंबे समय से इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह सड़क उनके विस्थापन और पर्यावरण विनाश की शुरुआत है। हाल ही में रायगढ़ा के कलेक्टर कुलकर्णी आशुतोष सी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसने आग में घी डालने का काम किया। वीडियो में कलेक्टर ग्रामीणों को सख्त लहजे में जमीन खाली करने और दस्तावेज दिखाने की चेतावनी देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने माइनिंग बिल पास कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस मंगलवार सुबह करीब 5 बजे एक वारंटी की तलाश में और सड़क निर्माण कार्य को सुरक्षा देने के लिए गांव पहुंची थी। पुलिस की मौजूदगी देख प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने सोते हुए लोगों पर लाठीचार्ज किया, जबकि पुलिस का कहना है कि ग्रामीणों ने उन पर कुल्हाड़ी, तलवार और पत्थरों से हमला किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

दूसरे दिन भी ठप रहा केन-बेतवा लिंक परियोजना का काम

दिल्ली जाने से रोका तो शुरू कर दिया चिता आंदोलन

छतरपुर, देशबन्धु। पिछले कई सालों से सूखे बुंदेलखंड की प्यास बुझाने के लिए शुरु की गई 44 हजार करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना धरातल पर उतरने के पहले ही बड़े जनविरोध का शिकार हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने आवाज नहीं सुनी, तो प्रधानमंत्री को अपनी व्यथा सुनाने के लिए दिल्ली जा रहे प्रदर्शनकारियों को प्रशासन द्वारा बलपूर्वक रास्ते में रोककर प्रताड़ित किया गया, उनके द्वारा इकट्ठा किया गया राशन भी छीन लिया। इसके बाद आंदोलन और भी उग्र हो गया है। हजारों की संख्या में आदिवासी, किसान, महिलाएं और ग्रामीण ढोढन बांध स्थल पर धरने पर बैठ गए हैं।

नाराज हजारों प्रदर्शनकारियों ने जितना दमन-उतना संघर्ष का नारा लगाते हुए आरपार की लड़ाई शुरु कर दी है। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं, जो हाथों में तख्तियां लेकर जल, जंगल और जमीन के हक की लड़ाई का ऐलान कर रही हैं। ढोढन बांध निर्माण स्थल पर मशीनों के सामने खड़े होकर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है। आक्रामक रुख अपनाते हुए निर्माण स्थल पर ही चिता आंदोलन शुरु कर दिया गया है। यहां कई चिताएं बनाई गई हैं, उन पर लेटकर प्रदर्शनकारी सही मुआवजा और पुर्नवास की मांग कर रहे हैं। जोरदार प्रदर्शन के कारण परियोजना का काम लगातार दूसरे दिन भी ठप रहा। हालांकि बिगड़ते हालातों को संभालने के लिए सटई तहसील के तहसीलदार इंद्र कुमार गौतम ने मौके पर जाकर प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन आंदोलनकारी नहीं माने। उनका साफ कहना है कि यह अब सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई है। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक निर्माण कार्य नहीं होने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि हमें दिल्ली जाकर अपनी बात रखने से रोका गया है, जो अनुचित है। अब तो प्रशासन द्वारा धारा 163 लगाकर अपने ही गांव जंगल में जाने से उन्हें रोका जा रहा है, उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है।

तहसीलदार श्री गौतम ने कहा, प्रशासन लगातार संवाद कर रहा है और जल्द ही समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी। फिलहाल बांध स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात है, लेकिन प्रदर्शनकारी अपने रुख पर अड़े हुए हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गांव-गांव में प्रशासन, पुलिस और सत्ता से जुड़े लोगों का गठजोड़ है। जिसके कारण भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और आदिवासी, किसानों और आम ग्रामीणों का शोषण हो रहा है।

बता दें, यह विरोध परियोजना के तहत केन नदी पर प्रस्तावित 77 मीटर ऊंचे और 213 किलोमीटर लंबे ढोढन बांध के निर्माण को लेकर हो रहा है। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने के लिए 221 किलोमीटर लंबी नहर और 2 किलोमीटर की टनल भी बनाई जानी है। इसमें डूब क्षेत्र के ग्राम ढोढन, खरयानी, पलकौहा, सुकवाहा, मैनारी, भोरखुवा, घुघरी, कुपी, शहपुरा, बसुधा, नैगुवां, ककरा, पाठापुर, डुगरिया, कदवारा गांवों के हजारों विस्थापित अपने हक और पर्यावरण की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन पर झूठे आश्वासन देने और कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली * फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।